डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 93 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 12 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नया केस जनता के पैसों के दुरुपयोग का आरोप

### -दिल्ली कोर्ट ने FIR दर्ज करने का दिया आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए केजरीवाल और उनकी पार्टी के दो अन्य नेताओं के खिलाफ नई FIR दर्ज करने का आदेश दिया है। यह मामला 2019 में दायर एक शिकायत से जुड़ा है, जिसमें सरकारी फंड के दुरुपयोग और अवैध होर्डिंग्स लगाने के आरोप लगे हैं।

**क्या है पूरा मामला?**

2019 में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अरविंद केजरीवाल, मटियाला से आप के तत्कालीन विधायक गुलाब सिंह और द्वारका ए वार्ड की तत्कालीन पार्षद नितिका शर्मा ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए थे। इन होर्डिंग्स में आम आदमी पार्टी का प्रचार किया गया था, लेकिन इसके लिए सरकारी फंड का इस्तेमाल किया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, यह सीधा-सीधा जनता के पैसों का दुरुपयोग था, क्योंकि सरकारी धन का उपयोग किसी एक राजनीतिक दल के प्रचार के लिए नहीं किया जा सकता। दिल्ली नगर निगम (MCD) के नियमों के अनुसार, किसी भी राजनीतिक पार्टी को सरकारी संपत्ति पर बिना अनुमति के होर्डिंग्स लगाने की इजाजत नहीं है।

**कोर्ट का आदेश और कानूनी धाराएं**

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) नेहा मित्तल ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम, 2007 की धारा-3 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत तुरंत FIR दर्ज करे। इसके साथ ही, कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि 18 मार्च तक पुलिस इस मामले में अपनी रिपोर्ट पेश करे।

**क्या कहता है दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम, 2007?**

यह अधिनियम दिल्ली में अवैध पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स लगाने को अपराध मानता है। इस कानून के तहत किसी भी सार्वजनिक स्थान या सरकारी संपत्ति पर बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के पोस्टर, बैनर या विज्ञापन लगाने पर दंड का प्रावधान है। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों को जुर्माने के साथ-साथ सजा भी हो सकती है।

**राजनीतिक प्रतिक्रिया और संभावित प्रभाव**

इस केस का आदेश ऐसे समय में आया है जब हाल ही में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को भारतीय जनता पार्टी (BJP) द्वारा सत्ता से बेदखल किया गया था। यह नया मामला केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए एक और बड़ा झटका साबित हो सकता है।

विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस मुद्दे पर आप सरकार की निंदा करते हुए कहा,

"केजरीवाल और उनकी पार्टी ने बार-बार जनता के पैसों का दुरुपयोग किया है। मोहल्ला क्लीनिक से लेकर सरकारी विज्ञापनों तक, हर जगह भ्रष्टाचार किया गया है। अब कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है, जो यह साबित करता है कि AAP सरकार में पारदर्शिता की कमी रही है।"

वहीं, आप पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, पार्टी इस आदेश को अदालत में चुनौती देने पर विचार कर रही है।

**केजरीवाल पर पहले भी लग चुके हैं आरोप**

यह पहली बार नहीं है जब अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर सरकारी फंड के दुरुपयोग का आरोप लगा हो। इससे पहले भी दिल्ली सरकार के विज्ञापनों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की बात सामने आई थी।

2022 में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के विज्ञापनों की जांच के आदेश दिए थे, जिसमें 97 करोड़ रुपये के कथित गबन की बात सामने आई थी।

2023 में केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में किए गए विज्ञापन खर्चों की जांच शुरू की थी। आरोप था कि दिल्ली सरकार ने अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के लिए करोड़ों रुपये के विज्ञापन अन्य राज्यों में भी चलवाए।

2024 में लोकसभा चुनावों से पहले भी केजरीवाल की सरकार पर सरकारी धन के अनुचित इस्तेमाल के आरोप लगे थे, जिसमें स्कूलों और मोहल्ला क्लीनिकों के नाम पर फंड में हेराफेरी की बात सामने आई थी।

**क्या हो सकते हैं आगे के परिणाम?**

यदि पुलिस द्वारा दर्ज की जाने वाली FIR में आरोप सही पाए जाते हैं, तो केजरीवाल और अन्य आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। यह मामला उनकी राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर तब जब आम आदमी पार्टी पहले ही कई विवादों से घिरी हुई है।

इसके अलावा, यह केस दिल्ली में आप सरकार के कार्यों की पारदर्शिता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि जांच के बाद यह साबित होता है कि सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है, तो न सिर्फ केजरीवाल बल्कि उनकी पूरी पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

**निष्कर्ष**

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के इस फैसले से अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की परेशानियां बढ़ सकती हैं। FIR दर्ज होने के बाद अब यह देखना होगा कि पुलिस इस मामले की जांच कैसे करती है और क्या इसे लेकर आगे कोई और बड़े खुलासे होते हैं। आम आदमी पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन यह मामला राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है

## मेट्रो के विस्तार की बनाए प्रभावी योजना - मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा (गोनेर मोड़) से अंबाबाड़ी (टोडी मोड़) तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर (फेज-2) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य 31 मार्च, 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर के सिविल कार्यों के टेंडर 15 अगस्त से पहले जारी हो और परियोजना का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मेट्रो अलाइमेंट के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जयपुर में मेट्रो सेवा के विस्तार पर गंभीरता से कार्य कर रही है। हमारी मंशा है कि भविष्य के आवश्यकता को देखते हुए जयपुर के सभी क्षेत्र मेट्रो से कनेक्ट हो।

मुख्यमंत्री ने फेज-2 के अंतर्गत सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक मेट्रो संचालन का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस परियोजना से प्रतापनगर, टोंक रोड़, सीकर रोड, विद्याधर नगर, सीतापुरा जैसे क्षेत्र मेट्रो सेवा से जुड़ेंगे और बड़ी संख्या में आमजन को मेट्रो की सुगम एवं द्रुतगामी परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

मेट्रो स्टेशन्स पर यात्री सुविधा का रखें विशेष ध्यान—

उन्होंने अधिकारियों को सीतापुरा-अंबाबाड़ी मेट्रो कॉरिडोर पर प्रस्तावित स्टेशन्स पर समुचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने यात्री सुविधा के दृष्टिगत स्टेशन्स को पोड टैक्सी सिस्टम्स से कनेक्ट करने के निर्देश भी दिए। शर्मा ने मेट्रो रूट के अलाइमेंट पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने मेट्रो परियोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार और जेएमआरसी की संयुक्त उद्यम कम्पनी से प्रदेश की निर्माणाधीन एवं भविष्य की सभी मेट्रो रेल परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सीएमडी वैभव गालरिया, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त आनंदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## बजट सत्र के दौरान आंगनबाड़ी, दुष्कर्म और पुलिसकर्मियों के अवकाश पर गरमाई विधानसभा पर बहस

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आज सदन में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली, खासकर आंगनबाड़ी केंद्रों, प्रदेश में बढ़ते दुष्कर्म मामलों, पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश और गिग वर्कर्स से जुड़े सवालों पर।

**डिप्टी सीएम दीया कुमारी और कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के बीच तीखी बहस**

धौलपुर के राजाखेड़ा क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति को लेकर कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने सरकार से सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों की हालत बेहद खराब है और सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही।

इस पर डिप्टी मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों के सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने केंद्रों में पोषण की स्थिति, कर्मचारियों की नियुक्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

बोहरा ने डिप्टी सीएम के जवाब को असंतोषजनक बताते हुए कहा कि जमीनी हकीकत कुछ और है। इस पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई और सदन में माहौल गरमा गया। स्पीकर को हस्तक्षेप कर मामला शांत कराना पड़ा।

**सांगानेर में दुष्कर्म और प्रदेश में महिला अपराधों पर हंगामा**

शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने बूंदी जिले में हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है और सरकार को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयपुर के सांगानेर इलाके में एक पुलिसकर्मी द्वारा महिला से दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र में ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो बाकी प्रदेश में क्या हाल होगा?

इस मुद्दे को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया और सरकार से तत्काल जवाब देने की मांग की। सत्ता पक्ष की ओर से कहा गया कि सरकार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी और महिला सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

**मंत्री की सदन से अनुपस्थिति पर स्पीकर ने जताई नाराजगी**

विधानसभा अध्यक्ष ने एक मंत्री की सदन से अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब प्रमुख लोग ही सदन से चले जाएंगे, तो कार्यवाही कैसे चलेगी? स्पीकर ने निर्देश दिया कि सभी मंत्री सत्र के दौरान मौजूद रहें और चर्चा में भाग लें।

**मंत्री सुमित गोदारा और स्पीकर के बीच तकरार**

प्रश्नकाल के दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा और विधानसभा अध्यक्ष के बीच तकरार हो गई। यह विवाद गिग वर्कर्स (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले मजदूरों) से जुड़े सवाल को लेकर हुआ।

मंत्री गोदारा जब जवाब दे रहे थे, तब स्पीकर ने उन्हें संक्षिप्त जवाब देने को कहा। इस पर गोदारा ने अपनी पूरी बात रखने की जिद की, जिससे दोनों के बीच हल्की नोकझोंक हो गई। हालांकि, बाद में मामला शांत हो गया।

**पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश का मुद्दा उठा**

भाजपा विधायक भैराराम चौधरी ने पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी बिना किसी नियमित अवकाश के लगातार ड्यूटी कर रहे हैं, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जवाब देते हुए कहा कि फिलहाल पुलिसकर्मियों के लिए साप्ताहिक अवकाश का कोई प्रावधान नहीं है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि डीजीपी ने पहले इस पर निर्देश जारी किए थे, जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिले थे।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को भी अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिए और सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।

**सदन में उठे अन्य मुद्दे**

कृषि क्षेत्र में समर्थन मूल्य (MSP) को लेकर किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई।

स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति और तबादलों से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी सवाल उठाए गए।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा हुई।

## सीएसआर अनिवार्य कंपनियों को सीएसआर गतिविधियों पर किए गए खर्च की राशि के बारे में वार्षिक वित्तीय विवरण में जानकारी देना आवश्यक है

नई दिल्ली। कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में बड़े निगमों सहित कंपनियों के प्रबंधन में कॉरपोरेट प्रशासन और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं। यह प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों, निदेशक मंडल और शेयरधारकों के जरिए कंपनियों के प्रबंधन के लिए जवाबदेही प्रदान करता है। अधिनियम और नियमों के अनुसार कंपनियों को निर्धारित प्रपत्र में खाता बही, विभिन्न रिटर्न और रजिस्टर आदि बनाए रखने और उन्हें अपने पंजीकृत कार्यालयों में रखने की जरूरत होती है।

अधिनियम के अंतर्गत लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन भी अनिवार्य किया गया है। कंपनियों को शेयरधारकों की ओर से सूचना और निर्णय लेने के लिए व्याख्यात्मक बयानों के अतिरिक्त अन्य अनुलग्नकों के साथ आम बैठकों के लिए नोटिस भी भेजने की आवश्यकता होती है। वार्षिक वित्तीय विवरण भी शेयरधारकों को भेजे जाने की जरूरत होती है। इसके अतिरिक्त, कंपनियों को रजिस्ट्रार के पास विभिन्न दस्तावेज, प्रस्तावों की प्रतियां, रिटर्न आदि दाखिल करने की आवश्यकता होती है। जोखिम प्रबंधन, वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न सहित बोर्ड की रिपोर्ट में दर्शाना भी तय किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक प्रासंगिक जानकारी हितधारकों के साथ-साथ रजिस्ट्री में भी उपलब्ध हो। इस प्रकरा, जब भी कंपनियों की वित्तीय स्थिति में कोई अनियमितता की सूचना मिलती है, तो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत नियामक कार्रवाई की जाती है।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कानूनी ढांचा कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 135, अधिनियम की अनुसूची VII और कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के जरिए प्रदान किया गया है। अधिनियम की अनुसूची VII उन गतिविधियों की पात्र सूची को इंगित करती है, जिन्हें कंपनियां सीएसआर के रूप में कर सकती हैं। सीएसआर अनिवार्य कंपनियां अधिनियम और कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 में निहित प्रावधानों की पूर्ति के अधीन अनुसूची VII में उल्लिखित कोई भी गतिविधि कर सकती हैं।

अधिनियम के अंतर्गत, सीएसआर एक बोर्ड संचालित प्रक्रिया है और कंपनी के बोर्ड को अपनी सीएसआर समिति की सिफारिशों के आधार पर सीएसआर गतिविधियों की योजना बनाने, निर्णय लेने, कार्यान्वित करने और निगरानी करने का अधिकार है। सीएसआर ढांचा प्रकटीकरण आधारित है और कंपनियों को एमसीए 21 रजिस्ट्री में सालाना सीएसआर गतिविधियों का विवरण दाखिल करना आवश्यक है। सीएसआर अनिवार्य कंपनियों को सीएसआर गतिविधियों पर किए गए खर्च की राशि के बारे में अपने वार्षिक वित्तीय विवरण में जानकारी प्रदान करना आवश्यक है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2021-22 से लागू कंपनी (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020, ("सीएआरओ, 2020") को भी अधिसूचित किया है, जिसके अंतर्गत ऑडिटर्स को किसी भी खर्च न की गई सीएसआर राशि का विवरण बताना आवश्यक है। सीएसआर गतिविधियों, प्रभाव आकलन आदि का विवरण कंपनियों द्वारा 'सीएसआर पर वार्षिक रिपोर्ट' में रिपोर्ट किया जाना है, जिसमें सीएसआर पर वार्षिक कार्य योजना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, जिन कंपनियों की अपनी वेबसाइट हैं, उन्हें सार्वजनिक पहुंच और पारदर्शिता के लिए अपनी वेबसाइट पर सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड की ओर से अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं जैसे खुलासे करने की आवश्यकता होती है।

जब भी सीएसआर प्रावधानों के किसी उल्लंघन की सूचना मिलती है, तो रिकॉर्ड की उचित जांच और कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उस पर कार्रवाई की जाती है। इस प्रकार, अनिवार्य खुलासे, सीएसआर समिति और बोर्ड की जवाबदेही, कंपनी के खातों की वैधानिक लेखा परीक्षा, फॉर्म दाखिल करने आदि जैसे मौजूदा कानूनी प्रावधानों के साथ कॉरपोरेट प्रशासन ढांचा सीएसआर फंड/ गतिविधि के प्रभावी उपयोग और कंपनियों की ओर से पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पर्याप्त तंत्र देता है। कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कल लोक सभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

## प्रदेश के 1630 गांव-ढाणियों को पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा- दिया कुमारी

### -3 हजार 500 करोड़ की लागत से 5 हजार किमी सड़के बनाई जायेगी

जयपुर । प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण में प्रदेश की लगभग 1630 बसावटों को पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि अनुमानित 3 हजार 500 करोड़ की लागत से लगभग 5 हजार किमी पक्की सड़कों का निर्माण करवाकर दूरदराज के गांवों, ढ़ाणियों/बसावटों को सर्वकालिक सड़कों से जोड़ा जायेगा।

उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्तर्गत स्थापित राजस्थान ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश की सभी बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोडना हमारी पहली प्राथमिकता है। इससे न केवल परिवहन सुगम एवं तीव्र होगा बल्कि आर्थिक विकास के भी नये द्वार खुलेगें ।

सर्वे में प्रथम रहे है, क्रियान्वयन में भी शीर्ष पर रहे-

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस प्रकार पीएमजीएसवाई चतुर्थ चरण में सड़कों के सर्वे में प्रदेश देश में शीर्ष पर रहा है, उसी गति से सड़क निर्माण में भी काम करवायें ओर प्रदेश को देश में शीर्ष स्थान पर लायें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से यथाशीघ्र स्वीकृतियां प्राप्त करके शीघ्र सड़कों का निर्माण शुरू करवायें।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत प्रदेश की 1630 ग्रामीण बसावटों में सड़कों हेतु सर्वे का कार्य 31 जनवरी से पूर्व ही करवाया जा चुका है। देश में राजस्थान द्वारा यह सर्वे सबसे पहले पूरा करवाया गया है। इसके तहत 1374 मरूस्थलीय, जनजातीय एवं आशान्वित जिला/ ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हित बसावटों, 500 से 999 आबादी की 191 बसावटों, 1000 एवं उससे अधिक की 30 बसावटों तथा धरती आभा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अन्तर्गत 35 बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा।

उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी व्यक्त की प्रदेश का पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत निर्मित सड़कों में लम्बाई के दृष्टिकोण से देश में दूसरा स्थान है। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के तहत करवाये जा रहे सड़क निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टी सी गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

# रॉयल पत्रिका

# संपादकीय

## कौन करेगा भरोसा ?

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है, लेकिन इस मोड़ पर अमेरिका की भूमिका संदेहास्पद होती जा रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्धविराम की पेशकश की है, लेकिन यह कदम मजबूरी में उठाया गया लगता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सैन्य मदद रोकने के ऐलान के बाद जेलेंस्की के पास और कोई विकल्प नहीं बचा। ट्रंप की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं—वे यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी देने के बजाय, उसके रेयर अर्थ मिनरल्स पर अपना दावा ठोकना चाहते हैं। यह फैसला अमेरिका के सहयोगी देशों के लिए एक झटका साबित हो सकता है।

**मजबूरी की पेशकश**

यूक्रेन और अमेरिका के संबंध हाल ही में तनावपूर्ण रहे हैं। ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तल्ख बयानबाजी के बाद यूक्रेन को एक नया झटका तब लगा जब ट्रंप ने यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने की घोषणा कर दी। इससे जेलेंस्की पर दबाव बढ़ा और उन्हें युद्धविराम का प्रस्ताव देना पड़ा। यह निर्णय स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक मजबूरी का परिणाम लगता है न कि किसी ठोस कूटनीतिक समझौते का।

**सुरक्षा गारंटी का अभाव**

ट्रंप ने यूक्रेन को स्पष्ट संकेत दिया है कि वे सैन्य मदद की जगह अब आर्थिक सौदेबाजी पर जोर देंगे। उन्होंने यूक्रेन से सुरक्षा गारंटी छोड़कर अपने देश के लिए रेयर अर्थ मिनरल्स की मांग की है। ट्रंप का तर्क है कि अगर अमेरिकी कंपनियां यूक्रेन में मौजूद होंगी, तो रूस वहां हमला करने से बचेगा। लेकिन यह तर्क तात्कालिक लाभ की सोच को दर्शाता है, क्योंकि जब 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तब भी अमेरिकी कंपनियां वहां सक्रिय थीं।

**अमेरिका की साख पर सवाल**

यूक्रेन संकट ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के रिश्तों को प्रभावित किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने यूक्रेन में अपनी फौज रखने की बात कही है, लेकिन अमेरिकी गारंटी के बिना यह पर्याप्त नहीं होगा। बाइडन प्रशासन ने लोकतंत्र की रक्षा और रूस के विस्तारवादी मंसूबों को रोकने के लिए यूक्रेन की मदद की थी, लेकिन ट्रंप ने इसे सिर्फ सौदेबाजी का जरिया बना दिया है। इससे अमेरिका की वैश्विक साख को गहरा आघात लग सकता है अमेरिका की नीति अगर अवसरवादी बनती है, तो उसकी वैश्विक स्थिति कमजोर हो सकती है। सहयोगियों का विश्वास जीतने के लिए जरूरी है कि अमेरिका अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ खड़ा रहे।

# औरंगज़ेब: जीवन और शासन का विस्तृत इतिहास

परिचय

औरंगज़ेब आलमगीर (1618-1707) भारत में मुगल साम्राज्य का छठा और सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला बादशाह था। उसने 1658 से 1707 तक शासन किया, जो लगभग 49 वर्षों तक चला। उसकी नीति, कठोर प्रशासन और धार्मिक कट्टरता के कारण उसे एक विवादास्पद शासक माना जाता है।

औरंगजेब का जन्म 3 नवंबर, 1618 को दाहोद, गुजरात में हुआ था। वह मुगल वंश के छठे सम्राट थे जिसके अधीन, साम्राज्य अपनी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। औरंगजेब को आलमगीर की उपाधि दी गई जिसका अर्थ है दुनिया का विजेता। कुछ इतिहासकरों के मुताबिक, औरंगजेब अपने समय का सबसे क्रूर शासक था, जिसने सत्ता पर कब्ज़ा करने के लिए अनगिनत ज़ुल्म किये। औरंगजेब के जीवन परिचय से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए तालिका को पढ़ें। औरंगजेब, मुग़ल वंश का छठा सम्राट था, जो बाद में अकबर के बाद सबसे अधिक समय तक शासन करने वाला मुग़ल शासक बना। उसका मूल नाम अबुल मुजफ्फर मुहिउद्दीन मोहम्मद था लेकिन आमतौर पर उसे औरंगजेब या आलमगीर के नाम से जाना जाता था। आपको बता दें की वह, मुगल सम्राट शाहजहाँ और उसकी पत्नी मुमताज महल का सबसे बड़ा पुत्र था।

1. प्रारंभिक जीवन (1618-1658)

जन्म और शिक्षा

औरंगज़ेब का जन्म 3 नवंबर 1618 को उज्जैन के पास दोहाद (वर्तमान गुजरात) में हुआ था।

वह मुगल बादशाह शाहजहाँ और मुमताज़ महल का तीसरा पुत्र था।

उसने अरबी, फारसी, इस्लामी कानून और युद्धकला की शिक्षा प्राप्त की।

उसके शिक्षक थे मुल्ला शाह मुहम्मद और मिर्ज़ा ग़ियास बेग।

युवावस्था और सैन्य अभियानों में भागीदारी

1636 में उसे दक्कन का सूबेदार बनाया गया।

1645 में गुजरात का गवर्नर बना।

1647 में उसे बल्ख (अफ़गानिस्तान) और बदख़्शां की लड़ाइयों में भेजा गया, लेकिन यह अभियान असफल रहे।

1652 में वह पुनः दक्कन का गवर्नर बना और बीजापुर एवं गोलकुंडा के खिलाफ लड़ाइयाँ लड़ीं।

2. सत्ता संघर्ष और सम्राट बनना (1658-1660)

शाहजहाँ के पुत्रों के बीच संघर्ष

शाहजहाँ के चार पुत्रों - दारा शिकोह, शुजा, मुराद और औरंगज़ेब के बीच सिंहासन के लिए संघर्ष हुआ।

1657 में शाहजहाँ बीमार पड़ा, जिससे उत्तराधिकार का युद्ध शुरू हुआ।

1658 में संभलपुर की लड़ाई में औरंगज़ेब ने शुजा को हराया।

धर्मत (1658) और समूगढ़ (1658) की लड़ाई में उसने दारा शिकोह को हराया।

1659 में देवराई की लड़ाई में उसने दारा शिकोह को अंतिम रूप से पराजित किया।

अपने भाई मुराद बख्श को धोखे से बंदी बना लिया और बाद में उसकी हत्या कर दी।

1658 में औरंगज़ेब ने आगरा किले में अपने पिता शाहजहाँ को कैद कर दिया और स्वयं को बादशाह घोषित किया।

3. औरंगज़ेब का शासन (1658-1707)

प्रशासनिक नीतियाँ

उसने मुगल प्रशासन को अधिक केंद्रीकृत और अनुशासित बनाया।

सख्त इस्लामी कानून (शरिया) लागू किया।

नवरत्नों की संस्कृति को समाप्त किया, केवल इस्लामी विद्वानों को प्रश्रय दिया।

धार्मिक नीतियाँ

1679 में जज़िया कर फिर से लागू किया, जिससे हिंदू प्रजा नाखुश हुई।

कई मंदिरों को तोड़ा, जिनमें काशी विश्वनाथ और मथुरा के केशवदेव मंदिर प्रमुख थे।

सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर को इस्लाम कबूल न करने पर मृत्युदंड दिया।

हिन्द व्यापारियों पर कर लगाया, जबकि मुसलमानों को करों में छूट दी।

सैन्य अभियान

राजपूत नीति: पहले जय सिंह और जसवंत सिंह जैसे राजपूतों से दोस्ती की, लेकिन बाद में मारवाड़ (राजस्थान) के शासकों से संघर्ष हुआ।

मराठों से युद्ध: शिवाजी से संघर्ष हुआ, शिवाजी ने 1666 में औरंगज़ेब के दरबार में आत्मसमर्पण किया, लेकिन बाद में भाग गए।

दक्कन अभियान (1681-1707):

1687 में उसने बीजापुर और गोलकुंडा को जीता।

छत्रपति संभाजी को पकड़कर 1689 में हत्या कर दी।

मराठा गुरिल्ला युद्ध नीति के कारण औरंगज़ेब को भारी कठिनाई हुई।

उत्तर-पूर्व में विद्रोह: असम, बंगाल और अफगानिस्तान में लगातार विद्रोह होते रहे।

4. औरंगज़ेब की मृत्यु और पतन (1707)

1707 में अहमदनगर में उसकी मृत्यु हो गई।

उसके बाद मुगल साम्राज्य का पतन शुरू हो गया।

उसके पुत्र बहादुरशाह प्रथम ने सत्ता संभाली, लेकिन मुगलों की शक्ति तेजी से कमजोर हो गई।

5. औरंगज़ेब की विरासत और प्रभाव

सकारात्मक पहलू

प्रशासन को सख्ती से लागू किया।

भारत में सबसे बड़ा मुगल साम्राज्य स्थापित किया।

कृषि और व्यापार को बढ़ावा दिया।

नकारात्मक पहलू

धार्मिक कट्टरता से हिन्द-मुस्लिम एकता प्रभावित हुई।

अत्यधिक युद्धों के कारण आर्थिक कमजोरी आई।

जज़िया कर और मंदिर विध्वंस नीतियों से हिन्द जनता में असंतोष बढ़ा।

राजपूत, मराठा, सिख और जाटों से टकराव के कारण मुगलों की शक्ति कमजोर हो गई।

निष्कर्ष

औरंगज़ेब एक कुशल शासक और योद्धा था, लेकिन उसकी नीतियाँ मुगल साम्राज्य के लिए हानिकारक साबित हुईं। उसकी धार्मिक कट्टरता और कठोर प्रशासनिक नीतियों ने साम्राज्य को कमजोर कर दिया और उसकी मृत्यु के बाद मुगल सत्ता तेजी से ढह गई।

क्या औरंगज़ेब सफल शासक था?

सैन्य रूप से सफल: उसने मुगल साम्राज्य को सबसे बड़े विस्तार पर पहुँचाया।

प्रशासनिक रूप से कठोर: लेकिन उसकी नीतियाँ विद्रोहों को जन्म देती रहीं।

धार्मिक रूप से विवादास्पद: उसकी कट्टरता ने मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी।

अंततः, औरंगज़ेब ने भारत में मुगल साम्राज्य को अपनी चरम सीमा तक पहुँचाया, लेकिन उसकी गलत नीतियों के कारण यह बहुत जल्द पतन की ओर बढ़ गया।

## नो स्मोकिंग डे

योगेश कुमार गोयल

# धूम्रपान मुक्त जीवन ही है स्वस्थ भविष्य की गारंटी

प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को 'धूम्रपान निषेध दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 12 मार्च को मनाया जा रहा है। इस दिन का उद्देश्य निकोटीन के आदी लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करना है। यह समाज पर धूम्रपान के दुष्परिणामों को उजागर करने और जीवन के स्वस्थ तरीकों तथा धूम्रपान मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने का दिन है। पहली बार धूम्रपान निषेध दिवस 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। तब यह मार्च महीने के पहले बुधवार को मनाया जाता था लेकिन समय के साथ यह मार्च के दूसरे बुधवार को मनाया जाने लगा। उसके बाद से यूके सहित कई देशों में यह एक वार्षिक कार्यक्रम की भांति मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'इस नो स्मोकिंग डे पर अपनी जिंदगी वापस लें' विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष का विषय हमें यह याद दिलाता है कि धूम्रपान छोड़कर हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं बल्कि अपने परिवार और प्रियजनों के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय भी बिता सकते हैं। धूम्रपान छोड़ने से हृदय रोग, कैंसर और सांस की बीमारियों का खतरा कम होता है। यह आर्थिक दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है क्योंकि धूम्रपान पर खर्च होने वाले पैसे की बचत की जा सकती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आ चुका है कि सिगरेट तथा अन्य धूम्रपान उत्पादों में मौजूद रसायन प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले लेते हैं। दरअसल सिगरेट के धुएं में ऐसे रसायन होते हैं, जो धूम्रपान के दौरान और बाद में शरीर पर घातक प्रभाव डालते हैं। तंबाकू के सेवन से दुनियाभर में हर साल 80 लाख से ज्यादा मौतें होती हैं। निकोटीन विकासशील मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है। व्यस्कों के मुकाबले बच्चों के बहुत जल्दी आदी हो जाने की भी संभावना है। धूम्रपान करने वाले बच्चों में निकोटीन अवसाद और चिंता से भी जुड़ा है। सार्वजनिक स्थलों के अलावा बंद कमरे में धूम्रपान करना तो धूम्रपान न करने वालों के लिए भी बेहद खतरनाक सिद्ध होता है, जिसके सबसे बड़े शिकार प्रायः घरों में बच्चे ही होते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बच्चों के माता-पिता बीड़ी-सिगरेट के आदी होते हैं, उन बच्चों में निमोनिया, ब्रोंकाइटिस जैसी सांस, गले और छाती की बीमारियां होना एक आम बात है। बच्चों में धूम्रपान के संपर्क में आने से श्वसन संक्रमण, कान में संक्रमण और अस्थमा का दौरा पड़ सकता है। जहां तक तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा की बात है तो यह इसलिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि बच्चों का मन-मस्तिष्क बहुत कोमल होता है और तंबाकू उद्योग बच्चों को लक्षित करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करता है। ऐसे ही तरीकों में तंबाकू उद्योग आकर्षक विज्ञापनों और मार्केटिंग अभियानों का सहारा लेता है, जिनके जरिये बच्चों को तंबाकू उत्पादों को आकर्षक और वांछनीय लगने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाता है। सोशल मीडिया के जरिये भी तंबाकू कंपनियां बच्चों के साथ जुड़ने और उन्हें तंबाकू उत्पादों के बारे में जानकारी देने का प्रयास करती हैं। धूम्रपान करने से बच्चों को अनेक प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य संवर्धन विभाग के निदेशक डा. रूडिगर क्रेच कहते हैं कि वे इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि तंबाकू उद्योग अनगिनत जिंदगियों की क़ीमत पर मुनाफ़ा कमाने के लिए इस हद तक जाएगा। उनके मुताबिक जैसे ही किसी देश की सरकार को लगता है कि उसने तंबाकू के खिलाफ लड़ाई जीत ली है, तंबाकू उद्योग स्वास्थ्य नीतियों में हेरफेर करने और अपने घातक उत्पादों को बेचने के अवसर को अपनी पकड़ में ले लेता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि दुनियाभर में तंबाकू उद्योग के बढ़ते हस्तक्षेप से स्वास्थ्य नीति को बचाने के प्रयास लड़खड़ा गए हैं, इसीलिए उसने ऐसे में विभिन्न देशों से कार्रवाई तेज करने का आह्वान किया है। चूंकि धूम्रपान करने से बच्चों में इसकी लत लगने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, जो उनके जीवन को कई प्रकार से नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है, इसीलिए तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना समय की बहुत बड़ी मांग है। इसके लिए जरूरी यह भी है कि बच्चों तथा उनके माता-पिता को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप और तंबाकू उत्पादों के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं और तंबाकू उत्पादों के उपयोग से संबंधित कानूनों का सख्ती से पालन किया जाए

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## दर्शन

# जीवन का मार्गदर्शन करती है अंतःकरण की आवाज

संकलित

हमारे अंतःकरण की आवाज हमारी मुख्य मार्गदर्शक होती है। यही हमें सही और गलत में अंतर का आभास कराती है। मनोविज्ञान के अनुसार, जब किसी मनुष्य का कोई कार्य, विचार और अभिव्यक्ति नैतिक मूल्यों के विपरीत परिणाम देती है तो अंतर्मन की आवाज उस व्यक्ति में ग्लानि और पश्चाताप की भावना को जन्म देती है, लेकिन जब हमारे कार्य नैतिक मूल्यों के अनुरूप परिणाम देते हैं तो इससे मन भीतर से प्रसन्न होता है। आज के इस कोलाहल भरे समय में हम प्रायः अपने अंतःकरण की आवाज को सुन नहीं पाते या उसे सुनकर उस पर अपेक्षित मनन नहीं करते। यही कारण है कि हम अपने जीवन में भटकाव महसूस करते हैं। महात्मा गांधी तो अंतःकरण की आवाज को ही सर्वोच्च मानते थे। उनके कई निर्णयों का आधार ही अंतःकरण की आवाज थी। इसी कारण गांधीजी सत्य के साथ खड़े रहे। इसीलिए उनके द्वारा किए गए अधिकांश प्रयोग सफल रहे। जीवन में सदैव संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने का सरल सा तरीका यही है कि हम अपने अंतःकरण की आवाज सुनें, क्योंकि हमारे अंदर से आने वाली आवाज प्रत्येक परिस्थिति में सही होती है। हम जब कभी भी कुछ गलती या बुरा आचरण कर रहे होते हैं, तब हम अपनी भूल को जानते हैं। हमें कुछ अटपटा सा लगता है। भीतर से आवाज आती है कि यह कार्य उचित नहीं है। यही हमारे अंतःकरण की आवाज होती है। यही आवाज हमें कुछ गलत करने से रोकती है। जब हम अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करते हैं तो अंतरात्मा से हमारा संपर्क कमजोर हो जाता है।

## प्रेरणा

# अपने बल पर न करे घमंड न दूसरों को कमजोर समझे

संकलित

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

## अंतर्मन

### आज की पाती

**होली का त्योहार सामूहिक उमंग और उत्साह का प्रतीक**

त्योहार और पर्वों की संस्कृति का देश है भारत। इसमें हर दिन कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। ये त्योहार मानव-समाज की उमंगों एवं आशाओं के प्रतीक हैं। मनुष्य सहज ही आशावादी होता है, आशा ही उसे प्रसन्न और कार्यशील रखती हैं। इसलिए आशाओं को जीवित और प्रचण्ड रखने के लिए वह पर्व, त्योहार आदि उत्सव मनाता रहता है। त्योहारों में मानव जाति को संस्कार और विचार देने की एक अन्तरधारा छिपी रहती है। जैसे गंगा-यमुना के प्रवाह के भीतर सरस्वती का प्रवाह छिपा है। वैसे ही हमारे देश में हर त्योहार व पर्व के भीतर एक आदर्श समाज की कल्पना और भावना, मानव जाति के पारस्परिक प्रेम, समानता, हर्ष-उल्लास का संस्कार और आदर्शों की कल्पना इन पर्वों के पीछे छिपी है। *- कांतिलाल मांडोत, सूरत*

## ट्रेंड

### मॉरीशस में स्वागत

मॉरीशस में अविस्मरणीय स्वागत से बहुत अभिभूत हूं। यहां की संस्कृति में भारतीयता किस तरह रची-बसी है, उसकी पूरी झलक 'गीत-गवई' में देखने को मिली। हमारी भोजपुरी भाषा मॉरीशस में जिस तरह से फल-फूल रही है, वह हर किसी को गौरवान्वित करने वाली है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### अस्पताल का लोकार्पण

उत्तम चिकित्सा सुविधाओं तक हर नागरिक की सुगम और सुलभ पहुंच की सुनिश्चितता हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। आज झांसी में 200 बेड के अस्पताल का लोकार्पण किया। 'स्वस्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की सिद्धि में नया उत्तर प्रदेश सतत गतिशील है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

### जनप्रतिनिधि का कर्तव्य

जन भावनाओं को सुनना जनप्रतिनिधि का कर्तव्य ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का काम भी करता है। दिल्लीवासियों की हर शंका का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी है।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

### सभी धर्मों का सम्मान

इस समय रमजान चल रहे हैं और होली का भी त्योहार आ रहा है। इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। सभी धर्मों के अनुयायियों के मान-सम्मान का बराबर ध्यान रखना बहुत जरूरी।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

## करंट अफेयर

# अफगानिस्तान की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं: भारत

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि उसने तालिबान शासन के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है और लोगों से लोगों के 'विशेष' संबंध देश के भारत के मौजूदा जुड़ाव का 'आधार' रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बैठक में कहा कि इस साल की शुरुआत में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। हरीश ने परिषद में कहा, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अफगान पक्ष ने अफगानिस्तान के लोगों के साथ जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।' उन्होंने कहा, 'यह निर्णय लिया गया कि भारत, अफगानिस्तान में जारी मानवीय सहायता कार्यक्रमों के अलावा निकट भविष्य में विकास परियोजनाओं में शामिल होने पर विचार करेगा।' मिस्री और मुत्ताकी के बीच जनवरी में हुई बैठक, 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से भारत और तालिबान के बीच अब तक का सबसे उच्च स्तरीय संपर्क था।

## ऑफ बीट

# बैठने के बजाय खड़े होकर काम करना फायदेमंद है?

आधुनिक समय में हममें से अधिकतर लोग जागते हुए अपना अधिकांश समय बैठकर गुजारते हैं। हाल में एक अनुसंधान में लंबे समय तक बैठने के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया गया है। कई कार्यस्थलों पर 'सिट-स्टैंड' डेस्क सिस्टम को अपनाया गया है, जिस पर आप लंबे समय तक बैठने के नुकसान से बचने के लिए डेस्क को बटन या लीवर दबाकर ऊंचा कर सकते हैं और खड़े होकर काम कर सकते हैं। लेकिन खड़ा होना बेहतर कैसे है? और क्या बहुत अधिक खड़े होने के भी नुकसान हैं? बहुत अधिक बैठने और खड़े होने के जोखिमों के बारे में अनुसंधान क्या कहता है, और क्या 'सिट-स्टैंड' डेस्क में निवेश करना ठीक है। बहुत अधिक बैठने के क्या नुकसान हैं? जो लोग बहुत अधिक बैठते हैं उनमें टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के विकसित होने और उनका जीवन कम होने की आशंका बढ़ जाती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मांसपेशियों, हड्डियों में, खासकर गर्दन और पीठ में दर्द संबंधी शिकायत बढ़ जाती है। उन लोगों को अधिक बैठने से और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है जो बहुत कम व्यायाम करते हैं या एक मानक स्तर तक शारीरिक गतिविधियां नहीं करते।

रॉयल पत्रिका

# लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों को लेकर चिकित्सा विभाग अलर्ट

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आगामी गर्मियों को देखते हुए लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जरूरी तैयारियां प्रारम्भ कर दी हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की और प्रदेशभर में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में भीषण गर्मी एवं लू की आशंका को देखते हुए हर स्थिति से निपटने के लिए विभाग के सभी अधिकारी अभी से समुचित तैयारियां शुरू करें, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों और मौसमी बीमारियों से किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, अधीक्षकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तार से समीक्षा की और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

**चिकित्सा संस्थानों में जांच, उपचार एवं छाया-पानी का हो माकूल इंतजाम—**

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सक, नर्सिंग स्टॉफ एवं पैरामेडिकल कार्मिक आवश्यक रूप से उपस्थित रहें। अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों एवं उपकरणों का माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ ही छाया एवं ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था हो। अस्पतालों में उपलब्ध वाटर कूलर, पंखें, कूलर, एसी आदि की आवश्यकतानुसार खरीद की जाए तथा जरूरत अनुसार मेंटीनेंस करवाया जाए। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को समय-समय पर पानी एवं खाद्य पदार्थों के नमूने लेने एवं आमजन को जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

**टीबी मुक्त भारत अभियान के शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें—**

राठौड़ ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान केंद्र सरकार की ओर से संचालित एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसके लक्ष्य हासिल करने में किसी तरह की कमी नहीं रहे। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए जाएं। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की जिलावार समीक्षा करते हुए इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। टीबी स्क्रीनिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट, निक्षय पोषण योजना एवं निक्षय मित्र बनाने सहित विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बजट घोषणाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

**ऑक्सीजन प्लांट्स के सुचारू संचालन के निर्देश—**

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीश कुमार ने कहा कि लू-तापघात जैसी स्थितियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की जानी हैं। इस संबंध में चिकित्सा संस्थान स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाइयों, उपकरणों आदि की खरीद तथा रिपेयर व मेंटीनेंस की व्यवस्था करें, इसके लिए नियमानुसार आरएमआरएस में उपलब्ध राशि का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स के सुचारू संचालन के निर्देश भी दिए।

**शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों का हो प्रभावी संचालन—**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. भारती दीक्षित ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सुगमता पूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों की स्थापना की गई है। संबंधित अधिकारी इनके प्रभावी संचालन पर ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि इन केंद्रों पर मापदंडों के अनुरूप सभी सेवाएं उपलब्ध हों। जिलों में जहां भी और शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जाने हैं, वहां इनकी जल्द स्थापना की जाए। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा करते हुए मिशन निदेशक ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए यह महत्वाकांक्षी अभियान है। सभी जिलों में आभा आईडी, हेल्थ फैसिलिटी एवं हेल्थ केयर फैसिलिटी रजिस्ट्री का लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल किया जाए।

**रोकथाम गतिविधियों के लिए बनाएं योजना—**

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने आगामी गर्मियों के दृष्टिगत प्रदेशभर में लू तापघात से बचाव के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मलेरिया, डेंगू आदि मौसमी बीमारियों से बचाव एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए जिला कलेक्टर के माध्यम से अंतर विभागीय समिति की बैठक आयोजित की जाए। नगरीय निकायों के साथ बैठक कर फॉगिंग, एंटी लार्वा, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य रोकथाम गतिविधियों के लिए योजना बनाई जाए। जिन जिलों में विगत वर्ष में मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा आए थे, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए। हाई रिस्क वाले स्थानों पर ज्यादा टीमें नियोजित की जाएं। आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर आईईसी गतिविधियां की जाएं।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# धौलपुर में राज्यपाल ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश -राज्यपाल बागडे

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए "पढ़ाई, दवाई और गांव में ही कमाई" के सिद्धांत पर कार्य करने पर बल दिया। राज्यपाल मंगलवार को धौलपुर जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजनाओं का क्रियान्वयन इस तरह हो कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ निर्बाध रूप से पहुंचे। उन्होंने कृषि में उत्पादकता बढ़ाने, उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, बागवानी एवं वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने के साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए इन्हीं उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाएं ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने जल संरक्षण को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि वर्षा जल संचयन और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में बेघर और घुमंतु समुदाय के लोगों को निशुल्क पट्टा देकर उन्हें आवास योजनाओं में शामिल किया जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति बिना छत के न रहे। बैठक में उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी परिवारों के लिए शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने और गांवों को साफ-सुथरा रखने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सांसद निधि और अन्य योजनाओं के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि गांवों को प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोड़ा जाए, जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए, और कुसुम तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राज्यपाल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष जोर देते हुए कहा कि राजीविका योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जाए और उनके उत्पादों की उचित मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ अधिकतम जरूरतमंदों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसी भी पात्र किसान को लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए कृषि और राजस्व विभाग को लगातार प्रयास करने होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले ऋणों का सही उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए और समय पर ऋण वितरण की व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि लाभार्थियों को समय पर ऋण चुकाने के लिए भी प्रेरित किया जाए, ताकि भविष्य में योजना का लाभ अन्य जरूरतमंदों को भी मिल सके। राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केवल पोषण केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के संपूर्ण विकास के संस्थान हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वहां गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे टीम भावना के साथ कार्य करें और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें, ताकि सरकार की पहल का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक मशीनरी को समन्वित प्रयासों के साथ आगे बढ़ना होगा, ताकि जिले में विकास कार्यों को नई गति मिल सके।

# खेलो इंडिया ताइक्वांडो सिटी लीग जयपुर में हुई आयोजित

सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खेलो इंडिया ताइक्वांडो सिटी लीग 2025 का आयोजन 9 मार्च, 2025 को नारायण ई टेक्नो स्कूल झोटवाड़ा, जयपुर में किया गया। इस आयोजन का संचालन ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और राजस्थान ताइक्वांडो संगठन द्वारा किया गया। यह प्रतियोगिता खेलो इंडिया युवा मामलों और खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रमोट और स्वीकृत की गई थी। भूपेंद्र कुमावत ने दी जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता में राजस्थान से लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता की एक विशेष बात यह रही कि यह आयोजन सभी एथलीट्स के लिए निःशुल्क था। जिससे खेलों को बढ़ावा देने और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में, खेलों के प्रति रूझान पैदा करने में मदद मिल सके। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह चारण (सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर) रहे। इनके अलावा राजस्थान ताइक्वांडो संगठन के अध्यक्ष उत्तम सैनी, महासचिव लक्ष्मण सिंह हाडा, सीईओ संजय कुमार, तकनीकी निदेशक भूपेंद्र कुमावत, उपाध्यक्ष पुलक सेन आदि उपस्थित रहे।

# बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने में जुट जाएं, तय समयावधि में क्रियान्वित से ही मिलेगा आमजन को लाभ

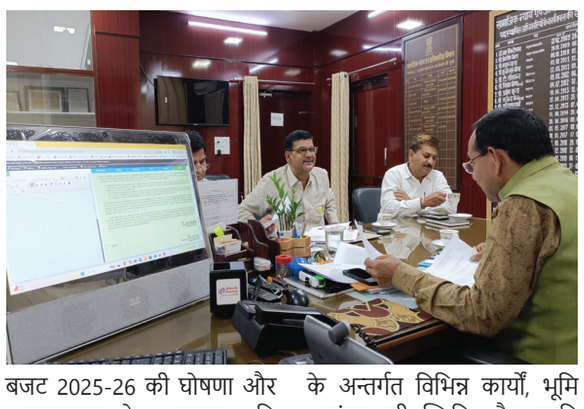

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव हरि मोहन मीना ने अधिकारियों को बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने में जुट जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की तय समयावधि में क्रियान्वित से ही आमजन को लाभ मिल सकता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर मीना ने मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय 'अम्बेडकर भवन' में निदेशालय स्तर के अधिकारियों की बैठक ली और इस संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। मीना ने कहा किया राज्य बजट 2025-26 घोषणाओं की क्रियान्विति से पूर्व वर्ष 2024-25 की जो कोई भी लंबित बजट घोषणाएं हैं, उन्हें पूर्ण करें। उन्होंने बजट 2025-26 की घोषणा और आवश्यकता के अनुरूप भूमि चिह्नकरण एवं आवंटन से जुड़े कार्य तय समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए। मीना ने कहा कि हर कार्य में समयबद्धता, गुणवत्ता और उपयोगिता पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके लिए बजट घोषणाओं के कार्यों को रफ्तार देने की जरूरत है। अधिकारियों ने बजट घोषणाओं के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों, भूमि आवंटन की स्थिति और प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान अल्प आय वर्ग के बुजुर्ग व्यक्तियों, विधवाओं, एकल नारियों, दिव्यांग व्यक्तियों तथा लघु एवं सीमांत कृषकों को देय पेंशन को बढ़ाने, बेघर वृद्ध जन एवं असहाय निराश्रित व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु स्थापित किया जा रहे स्वयं सिद्ध आश्रमों, विमुक्त घुमंतू और अर्ध घुमंतु समुदायों के सशक्तिकरण एवं उत्थान की दृष्टि से संत दादू दयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना प्रारंभ करने, प्रदेश के एससी-एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन आदि को आर्थिक संबल प्रदान करने की दृष्टि से अनुजा, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक निगमो द्वारा दिए गए ऋणों के क्रम में वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने सहित अन्य विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में वित्तीय सलाहकार अंजू सिंह, उप निदेशक, दीपाली भगोतिया, अतिरिक्त निदेशक सूंडाराम मीणा, अतिरिक्त निदेशक रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, अतिरिक्त निदेशक अरविंद कुमार सैनी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# व्याधि का हुआ समाधान तो....नन्हें चेहरों पर लौटी मुस्कान

## - सर्जरी किए गए बच्चों एवं अभिभावकों का जिला कलक्टर ने किया अभिनंदन
## - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत हुई कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज सर्जरी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हाथ में लाल रंग के गुब्बारे लिये नन्हें बच्चे और हर बच्चे के चेहरे पर खिली मुस्कान...जी हां, कुछ ऐसा ही नजारा था मंगलवार को जिले कलेक्ट्रेट सभागार का। जहां राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचडी यानी कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज के सफल ऑपरेशन के लाभार्थी बच्चों एवं उनके अभिभावकों का अभिनंदन किया गया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय जयपुर प्रथम एवं द्वितीय द्वारा योजना के तहत लाभांवित हुए 21 बच्चों का केक काटकर एवं उपहार प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सीएचडी में सर्जरी किए गए बच्चों एवं उनके अभिभावकों से संवाद भी किया। उन्होंने अभिभावकों से भी यह अपील की कि वे इस मौके पर संकल्प लें कि उनके आस पड़ोस में इस प्रकार का कोई बच्चा हो जो सीएचडी से ग्रसित हो तो वे उस बच्चे के उपचार में सहयोग करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम विनीता सिंह ने बताया कि चिकित्सा विभाग का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम उन बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ है जो जन्म से ही विभिन्न शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रयासों की वजह से न केवल इन बच्चों का इलाज निःशुल्क किया गया बल्कि उन्हें एक स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की राह भी दिखाई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग, सीएमएचओ और राजस्थान बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के प्रयास प्रशंसनीय हैं और इस पुनीत कार्य को उत्तरोत्तर नए मुकाम देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. हंसराज भदालिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत, आरसीएचओ जयपुर प्रथम डॉ. आशा मीणा, आरसीएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. प्रमिला मीणा, डीआईईसी मैनेजर, जयपुर प्रथम संगीता शर्मा, एडीएनओ जयपुर द्वितीय डॉ. दिलीप शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जयपुर प्रथम अखिलेश शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी जयपुर द्वितीय श्रीमती रिचा सारस्वत मौजूद रहे।

# भामाशाह कृषि उपज मंडी समिति, कोटा के विकास कार्यों के लिए 49 लाख 75 हजार रूपये की राशि व्यय - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ मंडियों में से एक कोटा जिले की भामाशाह मंडी की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंडी की सफाई व्यवस्था के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में 75 लाख का बजट आवंटित किया गया एवं जनवरी, 2025 तक इसमें से 49 लाख 75 हजार रूपये की राशि व्यय की गई। मंडी की सफाई व्यस्थाओं के लिए मुख्य मण्डी प्रांगण में ठेके पर 27 अकुशल श्रमिक लगाए गए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का कृषि विपणन मंत्री की तरफ से जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि मंडी से होने वाली वसूली का मंडी प्रांगण एवं संपर्क सड़क निर्माण, निर्मित परिसम्पतियों का रखरखाव, कर्मचारी वेतन, सफाई, बिजली, पानी एवं अन्य व्यवस्थाओं पर व्यय किया जाता है। इससे पहले विधायक कल्पना देवी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि भामाशाह कृषि उपज मण्डी समिति, कोटा (अनाज) का कुल क्षेत्रफल 47.947 हेक्टेयर है। मण्डी समिति में विगत पांच वर्षों में विक्रित कृषि जिन्सों के टर्न ओवर का विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि राजस्थान कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1961 के प्रावधानानुसार अनुसूची में अधिसूचित कृषि उपजों के व्यापार पर मण्डी क्षेत्र में मण्डी शुल्क देय है। नियमित बाजारों के माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित फसल को उचित मूल्य दिलाये जाने के उद्देश्य से वंचित सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से मण्डी शुल्क लगाया जाता है। उन्होंने निर्धारित मण्डी शुल्क दरों का विवरण एवं मण्डी शुल्क से प्राप्त आय में से व्यय की मदों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने निविदा ठेका की शर्ते एवं कार्यादेश की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्य मण्डी प्रांगण में ठेके पर कार्यरत 27 अकुशल श्रमिकों द्वारा नियमित रूप से सफाई कार्य किया जा रहा है।

# मरीज को उच्च चिकित्सा संस्थान पर उपचार की आवश्यकता होने पर ही रेफर किया जाता है - चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कहा कि चिकित्सालय में किसी भी मरीज को चिकित्सकों की कमी के कारण रेफर नहीं किया जाता है। जिन मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थान पर उपचार की आवश्यकता होती है, केवल उन्हीं मरीजों को रेफर किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय, ब्यावर में आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं व आधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं। इस चिकित्सालय में मरीजों की रेफरल रेट काफी कम है, वर्ष 2024 में ओपीडी व आइपीडी के 8 लाख 90 हजार मरीजों में से केवल 4 हजार 717 मरीजों को ही रेफर किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगलवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों के 1 हजार 700 रिक्त पदों हेतु संशोधित अर्थना रजिस्ट्रार, आरयूएचएस, जयपुर को प्रेषित की जा चुकी है एवं कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। सिंह ने बताया कि चयनित चिकित्सक प्राप्त होने पर एवं आदेशों की प्रतिक्षारत चिकित्सकों द्वारा राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय, ब्यावर के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के यथासंभव प्रयास किये जा सकेंगे। इससे पहले विधायक शंकर सिंह रावत के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने विधानसभा क्षेत्र ब्यावर में संचालित राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय ब्यावर में राजपत्रित एवं अराजपत्रित संवर्ग के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अराजपत्रित संवर्ग के सीधी भर्ती से भरे जाने वाले रिक्त पदों को प्रक्रियाधीन या आगामी भर्ती से भरे जाने पर विचार किया जा सकेगा। सिंह ने बताया कि पदोन्नति से भरे जाने वाले शेष रिक्त पदों को पदोन्नति समिति की आगामी बैठक पश्चात भरे जाने पर विचार किया जाएगा।

# प्रदेश में उचित मूल्य दुकानों के लिए 505 आवंटन सलाहकार समितियां गठित - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों के आवंटन के लिए 406 ग्राम एवं तहसील स्तरीय और 99 नगर पालिका स्तरीय आवंटन सलाहकार समितियों का गठन किया गया हैं। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि जयपुर जिले में नई आवंटन सलाहकार समितियों का गठन जल्द ही किया जायेगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 98 उचित मूल्य की दुकानों में से 27 दुकाने अटेच हैं। इससे पहले विधायक अमीन कागज़ी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में जनवरी 2020 से दिसम्बर 2024 तक 15 उचित मूल्य की दुकानें निलंबित की गई। यहाँ 3 उचित मूल्य की दुकानें त्यागपत्र, 2 मृत्यु और 7 निरस्त होने की वजह से रिक्त है, उन्होंने निलंबित दुकानों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चयनित 500 राशनकार्डो अथवा 2 हजार यूनिट पर नवीन उचित मूल्य की दुकान खोले जाने के मापदण्ड निर्धारित है। उचित मूल्य दुकान आवंटन सलाहकार समिति के गठन उपरान्त किशनपोल में रिक्त उचित मूल्य दुकानों का यथाशीघ्र आवंटन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र किशनपोल में जनवरी, 2020 से दिसम्बर, 2024 के बीच कोई उचित मूल्य दुकान स्वीकृत नहीं की गई।

# सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुल्तानपुर में आगामी 3 माह में संपूर्ण वायरिंग को बदलकर सुरक्षित कर दिया जाएगा - चिकित्सा शिक्षा मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री गजेंद्र सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र पीपल्दा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुल्तानपुर में भारी उपकरणों के लोड के कारण वायरिंग जलने एवं स्पार्किंग की घटनाओं से बचाव के लिए 25 किलोवाट का विद्त् लोड बढ़ाया जाएगा एवं आगामी 3 माह में संपूर्ण वायरिंग को बदलकर सुरक्षित कर दिया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोविड के समय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुल्तानपुर में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया था। जिसके कारण विद्त् लोड बढ़ने की समस्या उत्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि सीएचसी में वायरिंग जलने एवं स्पार्किंग की दो घटनाओं के बाद दो बार वायर रिपेयरिंग का कार्य करवाया गया है। इससे पहले विधायक चेतन पटेल कोलाना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कोटा से सम्बद्ध सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुल्तानपुर में वर्ष 2010 में भवन निर्माण के समय में बिजली की वायरिंग की गई थी। उन्होंने बताया कि इस सीएचसी में भारी उपकरणों के लोड के कारण वायरिंग जलने की घटना नहीं हुई है, स्पार्किंग की घटनायें हुई है। जिससे किसी प्रकार की कोई हानि/क्षति नहीं हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि चिकित्सालय के निवेदन पर विद्त विभाग द्वारा विद्त लोड बढ़ाया गया है। स्पार्किंग की घटनाओं से बचने के लिये वर्ष 2022 एवं 2023 में वायर रिपेयरिंग का कार्य करवाया गया है।

# ईदगाह कमेटी के सदर बने सद्दाम हुसैन अंसारी, 12 मेंबर नियुक्त

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी के चेयरमैन इरफान अंसारी ने सद्दाम हुसैन अंसारी को ईदगाह कमेटी बारां का सदर नियुक्त किया। ईदुलफितर की तैयारियों को देखते हुए 12 सदस्यीय कार्यकारिणी गठित की गई।

**कार्यकारिणी में शामिल:** शफकत अंसारी, पार्षद असलम अंसारी, सलामत हुसैन, इफ्तिखार अहमद एम.आर., कमर खान, अरशद अंसारी, इमरान खान, समीर खान, जहीर हुसैन, साहिल अंसारी, युनुस दरबार, और सलमान अंसारी।

**बेहतर व्यवस्थाओं पर जोर**

कार्यक्रम दरगाह बाबा फूल पीर साहब जमात खाने में हुआ, जिसमें ईद की नमाज की व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। इस दौरान वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, सरपरस्त अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशीद पठान, नायब सदर हाजी अनवर अली सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# उमराह से लौटे हाजी इकबाल हुसैन का स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंचायत श्योपुरियांन अंसारी के सदर हाजी इकबाल हुसैन अंसारी के उमराह से लौटने पर रविवार को बाद नमाज एशा उनके निजी आवास पर भव्य स्वागत किया गया। पंचायत के पदाधिकारियों और शहर के गणमान्य लोगों ने उन्हें माला पहनाकर, मुंह मीठा करवाकर मुबारकबाद दी।

**स्वागत में मौजूद गणमान्य**

अंजुमन सदर माजिद सलीम, पूर्व जिला वक्फ बोर्ड चेयरमैन साजिद सलीम, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, मास्टर अनवर अंसारी, अब्दुल लतीफ (फॉरवर्ड), इकबाल नेता, लईक अहमद अंसारी, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, मस्जिद सदर रईस अहमद (बॉम्बे कलेक्शन), शहर वक्फ कमेटी के सेक्रेटरी रईस अहमद (नेता), अब्दुल हक हक्का भाई, मोहम्मद नानू अंसारी, शहादत हुसैन मांगरोल, शाहबाज अंसारी, सिराज अंसारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# रंगीला राज सखी मेले का आयोजन जिला कलक्टर मंत्री ने किया अवलोकन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। होली के त्यौहार पर रंगीला राज सखी मेले का आयोजन जिला परियोजना प्रबंधन इकाई पाली द्वारा आज मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने मेले का अवलोकन किया।

राजीविका जिला परियोजना प्रबंधक सविता टी ने बताया कि उन्होंने इन उत्पादों का अधिकतम रूप से उपयोग लेने के लिये अपील की साथ ही उन्होंने होली के अवसर पर हर्बल गुलाल का उपयोग करने की अपील की साथ

ही इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की दीदीयों द्वारा निर्मित उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई बिलौने की छाछ, लस्सी ठण्डाई, खान-पान के व्यंजन, मेहन्दी पाउडर एवं ठाकुरजी के पौशाक की स्टॉल लगाई गयी। इस अवसर पर राजीविका प्रबन्धक सविता टी व अन्य लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनी 12 मार्च बुधवार को भी जारी रहेगी।

# जिला कलक्टर मंत्री ने ली बैठक बजट घोषणाओं ,राईजिंग राजस्थान , व अन्य कार्या के लिये दिये आवश्यक निर्देश

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर मंत्री ने गत साल के जिले से संबंधी बजट घोषणाओं में बकाया कामों के बारे में क्रियान्वयन, प्रगति व वर्तमान वित्तीय वर्ष की जिले से सम्बन्धित घोषणाओं से संबंधी कार्या भूखंड की आवश्यकताओं, वर्तमान प्रगति की स्थिति व क्रियान्वयन के बारे में विभागवार जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। जिनमें सार्वजनिक निर्माण विभाग, कृषि, सहकारिता, शिक्षा, बिजली, रोडवेज व अन्य सभी संबधित विभागों के बारे में बजट संबंधी चर्चा कर क्रियान्वयन के लिये आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में जिला कलक्टर मंत्री ने इस अवसर पर बैठक में राईजिंग राजस्थान में चल रही प्रगति की जानकारी ली जिनमें चिकित्सा,

उद्योग, रीको, माइन्स, शिक्षा आदि विभागों से संबधी बकाया कामों की जानकारी ली।

इसके अलावा बैठक में उन्होंने सामान्य दिनों के काम काज में विभागीय योजनाओं कार्य आदि की प्रगति जिनमें बिजली आने वाले दिनों में गर्मी के मौसम में पेयजल वितरण जलदाय विभाग को, चिकित्सा विभाग में आयुष्मान, मां वाउचर योजना आदि के बारे में निर्देश दिये। बैठक में नगर निगम, यूआईटी के कार्या की समीक्षा भी की साथ ही सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग में पेशन, पालनहार, वैरीफिकेशन आदि के लिये, रसद विभाग के एनएफएसए प्रगति, शिक्षा विभाग में अपार की प्रगति, बांगड चिकित्सालय में सिवरेज कार्य की व रोडवेज, शिक्षा विभाग, कृषि, पशुपालन विभाग, वन विभाग के कार्या की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, एडीएम अश्विनी सिंह पंवार, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, यूआईटी सचिव डॉ पूजा सक्सेना, उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र सिंह, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

# जिला निष्पादन समिति की बैठक आयोजित ,कलक्टर मंत्री ने दिये आवश्यक निर्देश

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति की बैठक मंगलवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने विभाग की प्रगति कार्या की जानकारी लेकर और प्रगति लाने व अन्य आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में जिला कलक्टर मंत्री ने विभिन्न बिन्दओं के एजेंडावार बिन्दओं पर चर्चा की और प्रगति को देखा जिनमें उन्होंने जिला रैंकिग पर व अपार रजिस्ट्रेशन, विद्यालयों में ईएलसी प्रभारी की डिटेल व शाला दर्पण पर एन्ट्री के बारे में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही बैठक में उन्होंने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण मेडीकल टीम की स्क्रीनींग, विद्यार्थियों का आधार

सीडींग, इन्फ्रा मॉनिटरिंग रिपोर्ट अपडेट के संबंध में भी जानकारी ली।

बैठक में राईजिंग राजस्थान के बकाया काम की स्थिति के बारे में आवश्यक निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने विद्त विहीन विद्यालय के बारे में, स्कूल खेल मैदानों के बारे में व अतिक्रमण, पालनहार योजना की प्रगति, एनिमिया मुक्त राजस्थान के लिये पींक व ब्लू विफस का शाला दर्पण पर इन्द्राज के लिये आवश्यक निर्देश दिये इस अवसर पर उन्होंने सभी ब्लॉक की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

# दो दिवसीय गीता सेमिनार का भव्य आयोजन, डॉक्टरों और साधकों ने लिया भाग

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय गीता सेमिनार का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 30-40 डॉक्टरों ने भाग लिया। इस अवसर पर गीतांजलि हॉस्पिटल की डीन डॉ. संगीता गुप्ता, एडिशनल प्रिंसिपल डॉ. मनजिंदर कौर, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. हरप्रीत सिंह के साथ-साथ उदयपुर के अन्य प्रतिष्ठित डॉक्टर भी उपस्थित रहे। इसके अलावा, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के मेडिकल छात्र व आईटीएन्स भी इस सेमिनार में सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस आयोजन के मुख्य संयोजक प्रदीप जी गोयल और डॉ. दिलीप गोयल रहे। साथ ही, आचार्य संतोष गुप्ता जी और आचार्य देवी सहाय जी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस

कार्यक्रम को विशेष बना दिया। सेमिनार में देशभर से आए लगभग 200 साधकों ने भाग लिया, जिनमें कई विभिन्न राज्यों से पधारे थे। इस ज्ञानवर्धक व आध्यात्मिक आयोजन में आचार्य भगवान स्वरूप जी ने भी अपने विचार साझा किए और उपस्थित साधकों को गीता के गूढ़ रहस्यों से परिचित कराया। यह आयोजन आध्यात्मिकता और चिकित्सा जगत के संगम का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जहां ज्ञान, साधना और चिकित्सा के महत्व को रेखांकित किया गया। 8 मार्च से प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम 9 मार्च की शाम को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आचार्यों एवं आयोजकों ने सेमिनार के सफल संचालन और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के लिए गीतांजलि ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल का हृदय से आभार व्यक्त किया।

# ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटा दक्षिण ने कोटा शहर पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन को दिया ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटा दक्षिण और कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल द्वारा कोटा शहर पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन को ज्ञापन दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष जोगेन्द्र बीरवाल जोन्टी ने बताया कि शहर में बढ़ रहे अपराध को रोकने के लिये कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपनी बात रखते हुये कहा कि शहर में आये दिन घटित घटनाओं एवं बढ़ते अपराधों से शहर में कानून व्यवस्था चरमरा रही है जिस पर चिंता व्यक्त करते हुए अपराधियों पर सख्ती करने एवं अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग की गई।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि महिला दिवस पर जहाँ देशभर मे महिलाओं को शुभकामनाएं दीं गयी वही कोटा में निजी विद्त कम्पनी केईडीएल ने मनमानी करते हुए महिलाओं के साथ धक्का मुक्की व अभद्रता कि जिस पर विज्ञान नगर पुलिस प्रशासन ने एक तरफा कार्यवाही करते हुए महिलाओं से अभद्रता की और मुकदमा दर्ज कर दिया ।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अनुराग

गौतम ने महिलाओं के साथ हो रही चैन स्नैचिंग और स्टूडेंटो के साथ मोबाइल लूटने एवं मारपीट करने की घटनाओ पर कार्यवाही नहीं होने से असामाजिक तत्वों को बढावा मिलता है जो किसी भी अपराध को अंजाम देने मे ज़रा भी संकोच नहीं करते है।

जिला महासचिव कपिल शर्मा ने कहा की रात को आठ बजे के बाद शराब एवं नशे का कारोबार प्रशासन की नाक के नीचे धडल्ले से खुल्लेआम हो रहा है इससे शहर में कानून व्यवस्था बिगड रही है जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद है।

सेवादल कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रेम लाहौरिया ने कहा कि रिहायशी मकानों में चोरियाँ, शहर के पार्को की रेलिंग चुराना आम हो गया है, पार्को में असामाजिक तत्वों के जमावडे से आमजन में रोष व्याप्त है।

ज्ञापन देने में पार्षद व कांग्रेस महासचिव कपिल शर्मा, पार्षद व महिला जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम, पार्षद अनुराग गौतम, गफ्फार हुसैन, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रेम लाहौरिया, जिला सचिव दीपक नागर, राहुल पुरसवानी, ब्लॉक उपाध्यक्ष अमित दाधीच, मुकेश चौधरी, रोहित प्रजापति, भगवान सिंह भाटी, दीपक योगी, गोपाल, मनीष मेहता, बंटी मीणा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# स्वामित्व योजना के तहत डिजिटल मैप का समयबद्ध सत्यापन करें समस्त पटवारी: जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप आमजन को उनकी भूमि का कानूनी अधिकार मिले इस संबंध में गठित जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कक्ष में वीसी के माध्यम से आयोजित हुई। बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया ने बताया कि स्वामित्व योजनान्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा जिले में 582 डिजिटल मैप 1.0 उपलब्ध करवाये गये है।

जिला कलक्टर ने मैप 1.0 पर आबादी की बाहरी सीमा/लाल डोरा में किये गये कांट-छांट एवं आबादी भूमि के सभी खसरा नक्शें में सम्मिलित होने आदि का प्रमाण प्रमाण पत्र पटवारियों द्वारा संबंधित ग्राम विकास अधिकारियों को समय पर उपलब्ध के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त उपखण्ड अधिकारियों को अपने स्तर से पटवारियों को बार-बार लाल डोरा में संशोधन नही करने, नक्शों पर लाल डोरा संशोधन के संबंध में किसी भी प्रकार की टिप्पणी अंकित नही करने तथा

एवं भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा उपलब्ध सत्यापन से शेष रहे 173 गांवों के मैप 1.0 में आबादी की बाहरी सीमा(लाल डोरे) के संबंध में पटवारी स्तर पर समयबद्ध सत्यापन करवाने के निर्देश दिए। साथ ही 152 राजस्व गांवों के मैप 2.0 में से सत्यापन से शेष रहे 110 राजस्व गांवों में नियमानुसार सही-सही कार्यवाही करते हुए समयबद्ध अवधि में पट्टा/प्रोपर्टी पार्सल वितरण करने एवं वितरित पट्टा/प्रोपर्टी पार्सल का ई-पंचायत पोर्टल पर अपडेट करवाने के निर्देश समस्त एसडीएम को प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि सभी उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारी संयुक्त रूप से पटवारी तथा ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक आयोजित कर समस्त गांवों में स्वामित्व योजना के वेरिफिकेशन करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र लाभार्थियों की विॅाीय स्वीकृति जारी करने एवं पंजीयन से वंचित रहे आवासवहीन व कच्चे मकान वाले निर्धन परिवारों का शत-प्रतिशत सर्वे कर पंजीयन सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, डी.आई.ओ. एन.आई.सी. राजकुमार शर्मा, तहसीलदार,सी. आर. सवाई माधोपुर विष्णु कुमार माथुर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मानपुरा भाकरी मे वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मानपुरा भाकरी मे सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे विद्यालय विकास को लेकर विभिन्न घोषणाए की गई।

प्रधानाध्यापिका शीला कनौजिया ने बताया कि मुख्य अतिथि जिनेंद्र जैन सचिव भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी पाली, अति विशिष्ट अतिथि जगदीश जी गोयल अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी पाली सुनील गुप्ता बिल्डर भामाशाह एवं सदस्य भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी पाली विशिष्ट अतिथि सुल्तान सिंह चंपावत पार्षद मानपुरा भाकरी पाली, अध्यक्षता दिलीप करमचंदानी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भामाशाह नेमीचंद चोपड़ा जिनके द्वारा विद्यालय में चार दिवारी को ऊंचा करने का कार्य करवाया गया जिनको सम्मानित किया गया भामाशाह हुकमाराम कीर की भामाशाह ओम प्रकाश प्रजापत भामाशाह नरेश कीर का भी सम्मान स्थानीय विद्यालय में समारोह अध्यक्ष दिलीप करमचंदानी द्वारा माला साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर बहुमन किया गया

उन्होने बताया कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पाली के सचिव जिनेंद्र जैन एवं अध्यक्ष जगदीश जी गोयल द्वारा कक्षा अष्टम के सभी छात्रों को ऑक्सफोर्ड जाएगा इसकी घोषणा की गई। स्थानीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई । मंच संचालन भंवर गौरी शारीरिक शिक्षक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बाबूलाल कीर एसएमसी अध्यक्ष तुलसाराम कीर कोषाध्यक्ष एमसी विनोद दास एसएमसी सदस्य एमसी रामलाल अध्यापक सुखदेव पालीवाल, भंवरलाल गौरी शा. शि. मम डिक्शनरी दी जाएगी तथा विद्यालय के छात्र छात्राओं के लिए शौचालय एवं स्टाफ के लिए अलग से शौचालय निर्माण करवायाता चंदेल, सुरेश कुमार ग्वाला, कैलाश प्रसाद शर्मा, मधु तिवारी समेत स्टाफगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# आठ साल की अनाया खान ने रखा पहला रोज़ा, देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। आठ साल की अनाया खान पुत्री साबिर रज़ा निवासी साई दर्शन कॉलोनी कोटा रोड़ झालावाड़ ने अपना पहला रोज़ा रखकर एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। अनाया ने अपने पहले रोज़े के अवसर पर देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की।

अनाया का यह कदम न केवल उनके परिवार और समुदाय के लिए गर्व का क्षण है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे बच्चे अपने धर्म और संस्कृति के मूल्यों को सीखते हैं और उनका पालन करते हैं।

अनाया के परिवार ने उनके इस प्रयास की सराहना की है और उन्हें बधाई दी है। अनाया की मां ने कहा, "हमें अनाया पर गर्व है। वह एक समझदार और धर्मपरायण बच्ची है।"

अनाया के पहले रोज़े के अवसर पर उनके समुदाय के लोगों ने भी उन्हें बधाई दी है। समुदाय के एक

वरिष्ठ सदस्य ने अनाया की तारीफ करते हुए कहा कि अनाया का यह कदम हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अनाया के पहले रोज़े के अवसर पर हम उन्हें मुबारकबाद देते हैं और उनके इस प्रयास की सराहना करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

# अनीमिया से बचाने के लिए पिलाई आयरन की खुराक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई। जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सत्रों का निरीक्षण किया, दवाओं की उपलब्धता की जांच, सभी आयुवर्गों की उपस्थिति की जांच की। चिकित्सा संस्थानों पर एएनएम द्वारा समस्त लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गई, महिलाओं एवम् बच्चों को थकान, भूख ना लगना, नाखूनों का सफेद होना, जीभ पर सफेद परत का होना जैसे कुछ सामान्य लक्षणों के आधार पर तथा एनीमिक पाए गए लोगों को दवा वितरित की गई। साथ ही एनीमिक पाई गई महिलाओं, बच्चों का उपचार कराने के लिए लगातार फॉलोअप किया जाएगा। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

# जिला स्तरीय सीएलजी एवं शांति समिति की बैठक, त्योहारों को देखते हुए जिले में शांति बनाए रखने की अपील

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला स्तरीय सीएलजी एवं शांति समिति के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर काना राम और पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने समिति के सदस्यों, सीएलजी प्रतिनिधियों और जिले के गणमान्य व्यक्तियों से जिले में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिला हमेशा से सांप्रदायिक सौहार्द में अग्रणी रहा है और जिलेवासी मिलजुलकर त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्वक मनाएं। उन्होंने सभी धर्मों के प्रमुख व्यक्तियों से अनुरोध किया कि वे समाज में सौहार्द्र बनाए रखने में सहयोग दें और जिले की मिसाल पेश करें। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि या सौहार्द बिगाड़ने की सूचना मिले, तो तुरंत प्रशासन को अवगत कराएं। पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने अपने गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि 95 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद वहां रामलीला का आयोजन होता है, जिसे देखने के लिए सभी समुदायों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ती है। उन्होंने इसे आपसी भाईचारे का प्रतीक बताते हुए जिले में भी इसी तरह सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया। आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, जिला कलेक्टर ने तेज आवाज में लाउडस्पीकर के उपयोग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशी के साथ ही विद्यार्थियों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीलम चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनेश सिंह तंवर, एसडीएम मांगीलाल, डिप्टी एसपी मीनाक्षी, महिला थाना एसएचओ सविता ढाल सहित शांति समिति के सदस्य नरेश बेनीवाल, जुगल किशोर राठी, कृष्ण चंद गोदारा, अनिल पूनिया, सुरजीत खीचड़, हनुमान प्रसाद व्यास, उसनाक मोहम्मद जोइया, अनिल तिवारी, मोहित, आशु गर्ग, डॉ. विक्रम कुमार, सचिन हिसारिया, इरफान भाटी, मोहम्मद इस्ताक, वली मोहम्मद आदि मौजूद रहे।

## टाटा प्ले के-ड्रामा पर देखिए आई एम नॉट ए रोबोट, समर स्ट्राईक

**मुंबई, एजेंसी।** विभिन्न शैलियों में अनेक शीर्षकों के साथ टाटा प्ले के-ड्रामा (पहले टाटा प्ले विदेशी कहानियाँ के नाम से मशहूर) आपके लिए लेकर आया है, सबसे दिलचस्प कोरियन मनोरंजन। इस नई श्रृंखला में कोरिया के सबसे लोकप्रिय

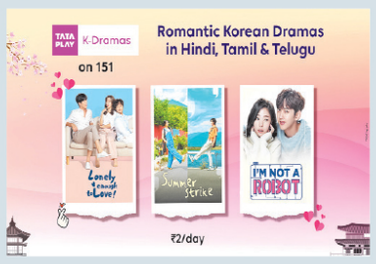


कार्यक्रम एक ही छत के नीचे देखने को मिलेंगे। समर स्ट्राईक, आई एम नॉट ए रोबोट और डबलू - टू वर्ल्ड्स एपार्ट जैसे रोचक कार्यक्रमों के साथ अनलॉक माई बॉस जैसे एक्शन और फ्लॉवर ऑफ एविल, 365 - रिपीट द ईयर के साथ-साथ शानदार के-पॉप परफॉर्मेंस–यहां हर किसी के लिए कुछ न कुछ देखने और आनंद लेने के लिए है! इसलिए कोरियन मनोरंजन का अनुभव पाने के लिए तैयार हो जाईये क्योंकि केवल टाटा प्ले के-ड्रामा आपके लिए सियोल से लेकर आ रहा है, पूरी तरह से विज्ञापनमुक्त मनोरंजन। सबसे अच्छी बात यह है कि विदेशी कहानियाँ अब टाटा प्ले के-ड्रामा में तब्दील हो गई हैं। मौजूदा दर्शक हिंदी, तेलुगू, तमिल और कोरियाई भाषा में उसी चैनल संख्या 151 पर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के इस सेवा का आनंद ले सकेंगे। जबकि नए दर्शक प्रतिदिन 2 रुपये का मामूली शुल्क देकर इस सेवा की सदस्यता ले सकते हैं। ये सभी कार्यक्रम टाटा प्ले मोबाईल ऐप पर भी उपलब्ध होंगे।

## चमकीले रंग, बड़ी बचतः अमेजन डाट इन से खरीदें होली से जुड़ी हर जरूरी चीज

**बेंगलुरु।** अमेजन इंडिया के होली स्टोर के साथ होली की खरीदारी की शुरुआत करें, जो उत्पादों के व्यापक चयन के साथ लाइव हो चुका है। उपभोक्ता पारंपरिक परिधान और ऑर्गेनिक गुलाल, गुझिया जैसी त्योहारी मिठाइयां, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और आधुनिक उपकरण, प्रीमियम स्किनकेयर उत्पाद और सुरुचिपूर्ण घरेलू सजावट का सामान खरीद सकते हैं। त्योहार की तैयारियों के लिए बेजोड़ मूल्य सुनिश्चित करते हुए, सभी श्रेणियों में रोमांचक डील्स उपलब्ध कराई गई हैं। होली की खरीदारी के लिए आपके अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए, अमेजन का एआई-संचालित शॉपिंग सहायक- रफस, आपको व्यक्तिगत अनुशंसाओं और त्वरित उत्तर के साथ त्योहार के लिए जरूरी वस्तुएं खोजने में मदद करेगा।

## पेप्सिको के लिए बॉटलिंग के लिए का काम करती है वरुण बेवरेजेज, 600 रुपये का टारगेट प्राइस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेप्सिको के लिए बॉटलिंग करने वाली कंपनी वरुण बेवरेजेज के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्योरिटीज ने इस स्टॉक को 600 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। जोकि शुक्रवार को क्लोजिंग के मुकाबले यह करीब 23 प्रतिशत अधिक है। बता दें, शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 487.90 रुपये के लेवल पर था।

**क्या कुछ कहा गया है नोट्स में-** ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्योरिटीज ने अपने नोट्स में कहा है कि कंपनी मजबूत ग्रोथ रेट दर्ज कर रही है। साथ ही स्नैक्स पोर्टफोलियो, डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ा रहा है।

# शक्ति की समृद्धिः महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर दिया जोर

### केंद्रीय मंत्री बोलीं- वित्तीय साक्षरता भी जरूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर द बोनस की ओर से लखनऊ के होटल क्लार्क अवध में शक्ति की समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्या और उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने किया। उन्होंने द बोनस पत्रिका का विमोचन भी किया। वहीं कार्यक्रम के अलग-अलग सत्र में वित्तीय और आर्थिक क्षेत्र की विशेषज्ञों ने महिलाओं को सशक्त, सक्षम और समृद्ध बनने के गुर सिखाए। समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने द बोनस के नारी आर्थिक शिक्षा अभियान (नासा) का शुभारंभ किया।

### अब वीमेंस डे नहीं वीमेंस पर्व मनाने की जरूरतः बेबी रानी मौर्या

शक्ति की समृद्धि कार्यक्रम का शुभारंभ महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्या ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि अमर द बोनस पत्रिका ज्ञानवर्धक है। मेरे बाबा ने मुझसे कहा था कि मोटा खाओ, मोटा पहनो, वक्त के लिए बचाकर रखो। यह पत्रिका भी कुछ ऐसा ही सिखा रही है। महिलाओं को समृद्ध और सशक्त बनाने की यह अच्छी पहल है। पैसे का निवेश करना आज जरूरी है। घर में बचत को लेकर बात करना जरूरी है। हम छोटी-छोटी बचत से परिवार को समृद्ध बना सकते हैं। महिलाओं में बचत की खास आदत होती है। अगर वो इसके साथ ही निवेश की भी आदत डाल लें तो उन्हें और लाभ होगा। जीवन में कठिन परिस्थितियों के लिए बचत जरूरी है।

### देश की महिलाएं आगे बढ़ रहीं: रजनी तिवारी

उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि गांव तभी मजबूत होंगे, जब महिलाएं सशक्त होंगीं। सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं से महिलाओं में हौसला बढ़ रहा है। बेहतर कानून व्यवस्था से महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। देश को आगे बढ़ाने में महिलाओं का बहुत योगदान है। महिलाओं को वित्तीय सशक्त बनाने का मुद्दा बहुत अच्छा है। आज देश की वित्तमंत्री भी महिला ही हैं। देश की राष्ट्रपति और राज्यपाल भी महिला हैं। सभी अपना कार्य मजबूती से कर रही हैं। यही सशक्त नारी और बदलता भारत है। हमारे देश में नारी सदैव ताकतवर रही है। हमारा इतिहास वीर नारियों से भरा रहा है। जब नारी बचत और निवेश के बारे में सोच लेगी तो यह काम महिलाएं बहुत आसानी से कर लेंगी। बस एक बार उनको सोचने की देर है। गांव से लेकर शहर तक में महिलाएं मजबूत हो रही हैं। उनके पास अब पैसा आ रहा है जाहिर है कि अब उनको निवेश करने की जरूरत भी है। आज हम सब यही संकल्प लेंगे कि हमें इसे कैसे निवेश करना है। कैसे पैसे का मैनेजमेंट करना है।

# कनाडा में टेस्ला का कारनामा... 3 दिन में बेच दीं 8600 कारें

### टेस्ला की बिक्री में अचानक तेजी, जांच शुरू हुई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ को लेकर छिड़ी जंग में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला का एक कारनामा सामने आया है। कनाडा में टेस्ला की गाड़ियों की बिक्री में अचानक तेजी आई है। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक इस तेजी की वजह से सरकारी जांच शुरू हो गई है। मामला ईवी सब्सिडी से जुड़ा है। मोटर इलस्ट्रेटेड की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में ईवी सब्सिडी प्रोग्राम बंद होने से ठीक पहले टेस्ला की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया। सिफ तीन दिनों में टेस्ला ने कनाडा के चार अलग-अलग जगहों पर 8600 से ज्यादा कार बेच दीं। इससे कंपनी को 43 मिलियन डॉलर (करीब 375 करोड़ रुपये) की सब्सिडी मिली।

**बिक्री पर उठे सवाल-** टोरंटो के एक शोरूम में 11 जनवरी को एक ही दिन में 1200 से ज्यादा गाड़ियां बिक गईं। इससे उस शोरूम को 4 मिलियन डॉलर की सब्सिडी मिली। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या ये बिक्री असली थीं? क्या टेस्ला को सब्सिडी प्रोग्राम बंद होने की पहले से जानकारी थी? इंडस्ट्री के जानकार इस मामले पर चिंता जता रहे हैं।

**सब्सिडी का गलत इस्तेमाल-** कैनेडियन ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने ट्रांसपोर्ट कनाडा से इस मामले की जांच करने की अपील की है। उनका कहना है कि सब्सिडी सिस्टम का गलत इस्तेमाल हुआ है। सरकार ने 13 जनवरी को ईवी सब्सिडी प्रोग्राम बंद कर दिया था।

# 424 तक जाएगा अडानी विल्मर का शेयर, एक्सपर्ट बोले- मुनाफा चाहिए तो खरीद लो

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गौतम अडानी समूह की कई ऐसी कंपनियां हैं जिसके शेयर पिछले कुछ दिनों से सुस्त पड़े हैं। ऐसा ही एक शेयर अडानी विल्मर का है। 2025 में अब तक शेयर में 20 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई है। वर्तमान में शेयर की कीमत 260 रुपये के करीब है। हालांकि, एक्सपर्ट इसको लेकर बुलिश नजर आ रहे हैं।

दरअसल, नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अडानी विल्मर लिमिटेड पर अपनी खरीदें रेटिंग बरकरार रखी है और शेयर पर 12 महीने का टारगेट प्राइस 424 रुपये रखा है, जो मौजूदा शेयर मूल्य से 60 प्रतिशत ज्यादा उछाल के संकेत देता है। नुवामा ने कहा कि अडानी विल्मर की पूरे भारत में, विशेष रूप से उत्तर भारत में उपस्थिति है और जीडी फूड्स मैन्युफैक्चरिंग के अधिग्रहण के बाद कंपनी अपनी वितरण क्षमताओं का और अधिक लाभ उठा सकेगी तथा परिचालन बढ़ा सकेगी।

**जीडी फूड्स मैन्युफैक्चरिंग का अधिग्रहण-**

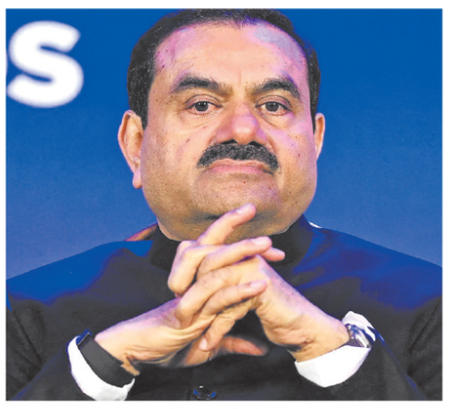

हाल ही में अडानी विल्मर लिमिटेड ने टॉप्स ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी जीडी फूड्स मैन्युफैक्चरिंग का अधिग्रहण करने का ऐलान किया। फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पादों की बिक्री करने वाली अडानी विल्मर ने बताया कि यह अधिग्रहण कई किस्तों में पूरा किया जाएगा। इसमें 80 प्रतिशत शेयर पहली किस्त में जबकि शेष 20 प्रतिशत शेयर अगले तीन साल में हासिल किए जाएंगे। वर्ष 1984 में स्थापित जीडी फूड्स के स्वामित्व वाला ब्रांड 'टॉप्स' पिछले 40 साल में उत्तर भारत में एक घरेलू ब्रांड के रूप में स्थापित रहा है। इस कंपनी की बिक्री मुख्य रूप से उत्तर भारत के सात राज्यों में केंद्रित है जिसकी खुदरा उपस्थिति 1,50,000 से अधिक दुकानों में है।

**कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे-** चालू वित्त वर्ष की तीसरी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में अडानी विल्मर का नेट प्रॉफिट दोगुने से अधिक होकर 410.93 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 200.89 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2024-25 की दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 12,887.21 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,926 करोड़ रुपये हो गई।

# तीसरी बार बोनस शेयर दे रही है कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एसबीसी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड इस हफ्ते एक बार फिर बोनस देने की तैयारी में है। कंपनी अपने निवेशकों को 2 शेयर पर एक शेयर बोनस देने जा रही है। इस बोनस इश्यू के लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है। बता दें, कंपनी के शेयरों का भाव 30 रुपये से कम का है।

**इसी हफ्ते है बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट-** एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि 2 शेयर पर एक शेयर योग्य निवेशकों को मिलेगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 10 मार्च 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर इस दिन रहेंगे उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

**2 बार कंपनी ने दिया है बोनस शेयर-** कंपनी ने इससे पहले 2022 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने 1 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया था। वहीं, 2024 में कंपनी ने 2 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया था। एक्सचेंज पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी ने 2023 और 2024 में निवेशकों को डिविडेंड दिया है। 2022 में कंपनी ने एक शेयर पर 0.050 रुपये का डिविडेंड दिया था। वहीं, 2024 में कंपनी ने एक शेयर पर 0.050 रुपये का डिविडेंड दिया था।

**शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा है?-** शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में बाजार के बंद होने के समय पर करीब 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 20.71 रुपये के स्तर पर था।

## मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने सात क्रांतिकारी इनोवेटर्स को किया सम्मानित

**मुंबई, एजेंसी।** भारत में प्रभावशाली नई तकनीकों को बढ़ावा देने वाले अग्रणी संगठन मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने आज जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स के 10वें संस्करण का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दो सख्त चयन प्रक्रियाओं के बाद सात नवप्रवर्तकों को चुना गया, जिनकी खोजों और तकनीकी समाधानों से उद्योगों और समाज में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस चयन प्रक्रिया का नेतृत्व व्यावसायिक और सामाजिक प्रभाव के विशेषज्ञों ने किया देशभर से आए 1,000 से अधिक आवेदनों में से चुने गए ये विजेता अपने अनोखे विचारों से उद्योगों में क्रांति ला रहे हैं। बिजनेस कैटेगरी में चुने गए नवप्रवर्तकों में एस्ट्रोम टेक्नोलॉज़ीस, चारा टेक्नोलॉज़ीस, इंद्रा वाटर और स्कायरूट एयरोस्पेस शामिल हैं। मैरिको लिमिटेड के चेयरमैन और मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के संस्थापक हर्ष मैरिवाला ने कहा इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स की खासियत यह है कि यह उभरते क्षेत्रों के नवप्रवर्तकों को उनके शुरुआती दौर में पहचानकर सम्मानित करता है। बीते नौ संस्करणों में 70 इनोवेटर्स को सम्मानित किया गया, जिनमें से 80प्रतिशत ने समय की परीक्षा को सफलतापूर्वक पार किया।

# नवाचार और तकनीकी को अपनाएं..., SBI की 75वीं वर्षगांठ पर वित्त मंत्री सीतारमण की सलाह

**मुंबई एजेंसी।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बदले वैश्विक परिदृश्य के बीच बैंकिंग क्षेत्र को नवाचार और नेतृत्व करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने मार्गदर्शन के लिए प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशिता को सिद्धांतों के रूप में अपनाएगा। सीतारमण एसबीआई के स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह के शुभारंभ के मौके पर बोल रही थीं।

**बदलते समय के साथ एसबीआई ने बनाए रखी अग्रणी भूमिका-** वित्त मंत्री ने कहा, एसबीआई ने बदलते हालात के साथ तालमेल बिठाते हुए अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है, चाहे नियम कितने भी सख्त हो गए हों। उन्होंने कहा, दुनिय तेजी से बदल रही है और बैंकिंग क्षेत्र को नवाचार व नेतृत्व करना जारी

रखना चाहिए। मुझे भरोसा है कि एसबीआई तकनीकी स्थिरता और समावेशिया को अपने मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में अपनाकर इस पर खरा उतरेगा।

### जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए बैंक ने किए सुधार

उन्होंने आगे कहा, एसबीआई भारतीय उप महाद्वीप का सबसे बड़ा बैंक है। यह अब स्थायी विकास के माध्यम से अधिक मूल्य प्रदान करने के लिए तैयार है। एसबीआई का लक्ष्य अपने कामकाज को बेहतर बनाकर ऋण देने की प्रक्रिया, संपत्ति की गुणवत्ता, मुनाफा और पूंजी बढ़ाकर धन सृजन को बढ़ावा देना है। इन प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एसबीआई ने अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। बैंक ने मजबूत निगरानी और नियंत्रण ढाचा बनाया है और प्रतिबद्ध पेशेवरों की एक टीम तैयार की है। इसके अलावा, बैंक ने जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने और तेजी से विकास के लिए अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं में सुधार किया है। एसबीआई की स्थापना 1 जुलाई 1955 को संसद के एक अधिनियम के माध्यम से की गई थी। पिछले सत्तर वर्षों में बैंक का ग्राहक आधार 51 करोड़ से अधिक हुआ है। इसका कुल कारोबार 87 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया है, जिसमें 2.37 लाख से अधिक कर्मचारी शामिल हैं।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हार्मनी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ का शुभारंभ किया गया

**भोपाल।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हार्मनी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ का भव्य शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के द्वारा किया गया। चिनार फॉर्च्यून सिटी, होशंगाबाद रोड, भोपाल स्थित यह 51-बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल महिलाओं के संपूर्ण स्वास्थ्य और प्रजनन चिकित्सा में उत्कृष्टता के लिए समर्पित है। यह अस्पताल महिलाओं की पूरी जीवन-यात्रा में, प्रजनन से लेकर मातृत्व और उससे आगे तक समग्र देखभाल प्रदान करेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा एवं राज्यमंत्री, गोविंदपुरा विधायक श्रीमती कृष्णा गौर एवं भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के दौरान अस्पताल का निरीक्षण किया गया और महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर डॉ. प्रिया भावे चित्तावार और डॉ. सचिन चित्तावार द्वारा की गई पहल की सराहना की गई। आज के समय में अधिकांश अस्पताल गंभीर बीमारियों पर केंद्रित होते हैं और अक्सर महिलाओं की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं होते। हर हेल्थ इसी कमी को दूर करने की दिशा में एक अनूठी पहल है, जहाँ महिलाओं को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ और संपूर्ण देखभाल मिलेगी। इस अस्पताल में क्लास ए आई.वी.एफ. प्रयोगशाला, ए.आई. युक्त अत्याधुनिक शल्यक कक्ष, वीमेन फ्रेंडली वार्ड, और दूरबीन पद्धति से स्त्रीरोग शल्य चिकित्सा के लिए अत्याधुनिक 3-डी 4-के एंडोविजन तंत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके अलावा, मधुमेह, थायरॉयड और अन्य हार्मोनल समस्याओं के लिए विशेष उपचार की भी व्यवस्था की गई है। हर हेल्थ में मध्य भारत का सबसे बड़ा फीटल मेडिसिन विभाग स्थापित किया गया है, जहाँ गर्भस्थ शिशु की देखभाल के लिए सी.वी.एस., म्नियोसेंटेसिस और ब्लड ट्रांसफ्यूज़न जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ विश्वस्तरीय प्रसव सेवाएँ, जैसे वाटर बर्थिंग और वेदना रहित प्रसव की सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, नवजात शिशु की देखभाल के लिए लेवल-3 एन.आई.सी.यू., फोटोथेरेपी, वेंटिलेटर, सी-पैप और इको जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

## जलियांवाला बाग एंड बियॉन्ड : नस्लवाद और ब्रिटिश राज पर राम माधवानी की दमदार राय

**मुंबई।** रिलीज़ हुई, द वेकिंग ऑफ़ ए नेशन भारत के इतिहास के सबसे निर्णायक क्षणों में से एक को अधिक वास्तविक बनाती हैं। जलियाँवाला बाग हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज़ इस महत्वपूर्ण घटना के इर्द-गिर्द अनकही साजिश को उजागर करती है। तारूक रैना, निकिता दत्ता, साहिल मेहता और भावशील सिंह साहनी जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ, यह शो दमदार अभिनय का वादा करता है जो इस ऐतिहासिक कथा में गहराई और प्रामाणिकता लाता है। मशहूर फिल्म निर्माता राम माधवानी के निर्देशन में बनी और अमिता माधवानी के साथ मिलकर निर्मित इस सीरीज़ में उनकी अनोखी कहानी कहने की शैली और गहरी भावनाएं दिखाती हैं। इस शो की प्रेरणा माधवानी की एक खास याद से जुड़ी है। जब वह पहली बार अपनी मां के साथ लंदन गए, तो वे इकोनॉमी क्लास में अलग-अलग सीटों पर बैठे थे। सीट बेल्ट का संकेत बंद होने के बाद, वह अपनी मां को देखने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने देखा कि छोटी सी रसोई के पास, पहली पंक्ति में एक गोरा व्यक्ति बैठा था। पर्दा हटाने में हिचकिचाहट महसूस करते हुए, उन्होंने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या वह उस पार जा सकता है। गोरे आदमी ने गुस्से में अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल के साथ जवाब दिया जाओ और बैठ जाओ।

# मुख्यमंत्री ने सीईएसएल की स्त्री' पहल के तहत 200 एसएचजी महिलाओं को कार्गोई-साइकिल वितरित कीं

**भोपाल।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीईएसएल की 'सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट फॉर रूरल एंटरप्रेन्योर थ्रू इलेक्ट्रिक साइकिल्स (स्त्री)' पहल का शुभारंभ किया और सीहोर जिले की स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की 200 महिलाओं को कार्गो इलेक्ट्रिक साइकिलें सौंपी। अतिरिक्त 100 ई-साइकिलें आगामी दिनों में वितरित की जाएंगी।

सीईएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारीश्री विशाल कपूर ने स्त्री पहल की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा- स्त्री पहलके माध्यम से, हम एक ऐसे भविष्य की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जहां ग्रामीण भारत की महिलाएं सतत और कुशल परिवहन समाधान प्राप्त कर सकें। इससे उन्हें अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने का अवसर मिलेगा। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इस पहल को समर्थन मिलना यह दर्शाता है कि राज्य हरित परिवहन और महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मध्य प्रदेश में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों की मजबूत परंपरा रही है, और स्त्री इस परंपरा को और सशक्त बनाएगा, जिससे सामाजिक-आर्थिक विकास और पर्यावरण अनुकूल प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की सहायक कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल)ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर अपने स्त्री कार्यक्रम के तहत महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम उठाया है, जिससे वे स्वतंत्र रूप से पर्यावरण अनुकूल यात्रा कर सकेंगी और सतत आजीविका प्राप्त कर सकेंगी।

### सलमान की फिल्म सिकंदर के रीमेक की अफवाहों पर निर्देशक ने तोड़ी चुप्पी

ईद पर रिलीज होने वाली सलमान खान की फिल्म सिकंदर के बारे में अफवाहें उड़ी थीं कि यह फिल्म रीमेक है। इस पर फिल्म के निर्देशक आर मुर्गदास ने चुप्पी तोड़ी है।

बॉलीवुड में कई फिल्में रीमेक हैं। सलमान खान ने भी कई रीमेक फिल्में बनाई हैं। ऐसे में सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर के बारे में भी अफवाहें हैं कि वह रीमेक है। अफवाहें हैं कि यह फिल्म सालार फिल्म की रीमेक है। लेकिन इस अफवाह पर फिल्म के निर्देशक एआर मुर्गदास ने चुप्पी तोड़ी है।

रीमेक नहीं है सलमान खान की फिल्म सिकंदर

रीमेक की अफवाहों पर लगाम लगाते हुए एआर मुर्गदास ने कहा है यह एकदम असली कहानी है। हर सीन, सिकंदर का हर फ्रेम पूरी मौलिकता के साथ डिजाइन किया गया है। यह लोगों को नया अनुभव देगी। यह किसी फिल्म की रीमेक नहीं है। फिल्म की मौलिकता का एक अनिवार्य हिस्सा इसका शानदार बैकग्राउंड स्कोर है। जिसे संतोष नारायणन ने तैयार किया है। उनका संगीत अच्छा है और दृश्यों से मेल खाता है।

### 'मी टू' मामले पर शिकायत याचिका खारिज होने पर बोलीं तनुश्री दत्ता, कहा-

# अफवाहों से बचें

**अभिनेता** नाना पाटेकर पर तनुश्री दत्ता द्वारा 'मी टू' आरोप लगाया गया था, जिसको लेकर अभिनेता को राहत मिलने की खबर आई थी। अब अभिनेत्री ने नाना पाटेकर को आरोपों से राहत मिलने वाली खबरों को खारिज किया है। उन्होंने सारी खबरों को फर्जी बताया। साथ ही खुलासा किया कि अभी उनकी शिकायत को लकेर कोई अपडेट नहीं आया है। जानिए पूरी खबर।

#### केस में हो चुकी है उनकी जीत

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा कि उनके द्वारा नाना पाटेकर पर लगाए गए आरोप अभी खारिज नहीं हुए हैं। उनका मामला अभी बंद नहीं हुआ है, साथ ही उन्होंने सभी खबरों को अफवाह बताया, जो इस वक्त मीडिया में प्रसारित हो रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 2019 में मुंबई पुलिस द्वारा नाना पाटेकर समेत अन्य पर यौन उत्पीड़न शिकायत वाली बी-समरी रिपोर्ट को कोर्ट ने कैंसिल किया है, ना कि उनके द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न आरोपों को। तनुश्री दत्ता ने आगे कहा कि हर साल नाना पाटेकर की पीआर टीम फर्जी अफवाहें फैलाने में लगी रहती है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नाना पाटेकर पर आरोप पत्र दायर किया जाएगा और उन्हें न्याय मिलेगा।

#### क्या है मामला

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर, कोरियोग्राफर गणेश आचार्य, निर्देशक अब्दुल सामी सिद्दीकी और निर्माता राकेश सारंग पर 2008 में एक डांस सीक्वेंस के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस मामले में इन चारों के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी।

### प्रियंका चोपड़ा ने 3 बच्चों के बाप संग

# किसिंग सीन करने से किया था इनकार

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक फिल्मों में किसिंग सीन होना आम बात होती है. फिल्मों में ये चलन काफी पुराना है और आजकल ज्यादा ही किसिंग सीन देखने को मिल जाते हैं. फिल्मों में किसिंग सीन को लेकर कई बार विवाद भी हुआ है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई एक्ट्रेसेस ने अपने को-एक्टर को किस करने से मना कर दिया था. आज हम आपको उस फिल्म के किसिंग सीन को लेकर बताने वाले हैं जिसमें एक्ट्रेस ने को-स्टार संग किस करने के लिए मना कर दिया था. एक्ट्रेस का कहना था कि वो उनसे उम्र में काफी बड़ा है. आइए जानते हैं कि ये किस्सा किस फिल्म का है.

#### फिल्म सात खून माफ का है किस्सा

साल 2011 में डायरेक्टर विशाल भारद्वाज की फिल्म की सात खून माफ आई थी. इसमें तमाम स्टार्स ने काम किया था. फिल्म सात खून माफ में प्रियंका चोपड़ा और अन्नू कपूर महत्वपूर्ण भूमिका में थे. फिल्म में की स्क्रिप्ट के डिमांड के हिसाब से प्रियंका चोपड़ा को अन्नू कपूर के साथ किसिंग और इंटीमटे सीन फिल्माना था लेकिन ऐसा हुआ नहीं. दरअसल, अन्नू कपूर के साथ किसिंग सीन करने से प्रियंका चोपड़ा ने साफ मना कर दिया था. खबरों में बताया जाता है कि प्रियंका चोपड़ा का मानना था कि अन्नू कपूर उम्रदराज एक्टर हैं और 3 बच्चों के पिता हैं. प्रियंका चोपड़ा की इस बात से अन्नू कपूर गुस्सा हो गए थे और सेट पर नाराजगी व्यक्त की थी. गौरतलब है कि प्रियंका चोपड़ा और अन्नू कपूर की उम्र में 26 का फासला है.

### जेलर 2 को लेकर आई

# बड़ी जानकारी

**रजनीकांत** के फैंस के लिए खुशखबरी है। वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें से एक जेलर 2 भी है। फिल्म में फैंस रजनीकांत को एक बार फिर से पहले भाग की तरह मुथुवेल पांडीयन के किरदार में देखे सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलर 2 की शूटिंग अगले हफ्ते में शुरू होने वाली है। फिल्म की टीम पहले चेन्नई में शूटिंग करेगी। उसके बाद गोवा और तमिलनाडु के थेनी में आगे की शूटिंग की जाएगी। फिल्म में एक बार फिर से अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। वहीं, फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार करने वाले हैं। फिल्म सिनेमाघरों में कब तक दस्तक देगी इस बात का अभी आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

# 'चॉइस को सेलिब्रेट करती नजर आई तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर नई तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वह निडर और बिना किसी झिझक के फैसले लेने के सार के साथ चॉइस को सेलिब्रेट करती नजर आ रही हैं। तापसी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री काले रंग की नेट वाली ड्रेस पहने कैमरे के लिए पोज देती दिखाई दीं। एक अन्य तस्वीर में अभिनेत्री खिड़की से बाहर देखती नजर आईं। तीसरी और चौथी फोटो में रश्मि रॉकेट स्टार का क्लोज-अप था। आखिरी तस्वीर बहुत प्यारी थी, जिसमें अभिनेत्री, अपने घुंघराले बाल खुले रखे हुए मुस्कुरा रही थीं और कैमरे से दूर देख रही थीं। तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, अपनी चॉइस का जश्न मनाती एक शाम। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पहले सीमाओं को तोड़ने और नई संभावनाओं को खोजने के लिए सीमाओं से परे एक दुनिया की खोज करने के बारे में बात की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री अगली बार एक्शन फिल्म गांधारी में दिखाई देंगी, जहां वह अपने स्टंट खुद करती नजर आएंगी। लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों ने भी हाल ही में एक्शन दृश्यों को बेहतरीन ढंग से निभाने के लिए तापसी की सराहना की थी। 'गांधारी' की निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की रिपोर्ट के अनुसार 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और खूब सारा एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है।

### करण जौहर बोले-

# 'मैं हूं भारतीय सिनेमा का असली बादशाह'

करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच हो गई बहस। करण जौहर ने खुद को बताया इंडियन सिनेमा का असली बादशाह, जानिए कार्तिक आर्यन ने क्या दी प्रतिक्रिया। बॉलीवुड के चमकते सितारे कार्तिक आर्यन लगातार चर्चाओं में बने रहते हैं। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर निर्माता-निर्देशक करण जौहर के साथ एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो तब का है जब दोनों स्टार 25वें आईफा अवॉर्ड्स के लिए जयपुर पहुंचे थे। इस वीडियो में दोनों एक-दूसरे पर तंज कस रहे हैं और इस बात पर बहस कर रहे हैं कि भारतीय सिनेमा का असली राजा कौन है?

#### कौन है भारतीय सिनेमा का असली बादशाह ?

वीडियो की शुरूआत में करण जौहर कार्तिक आर्यन से कहते हैं, कार्तिक, रॉयल्टी का भी कुछ मतलब होता है। बॉलीवुड का बादशाह मैं हूं, तुम नहीं। इस पर कार्तिक जवाब देते हुए कहते हैं, अगर आप बादशाह हो, तो मैं इंडियन सिनेमा का राजकुमार हूं। इस पर करण कहते हैं, हे भगवान, तुम और रॉयल्टी? असली रॉयल्टी मैं हूं। जिसके बाद भूल भूलैया 3 स्टार कार्तिक करण जौहर के ट्रांसफॉर्मेशन और उनके दुबले होने पर मजाकिया लहजे में तंज कसते हुए कहते हैं, आप इतने पतले कैसे हुए हो? ऐसा लग रहा है किसी ने करण भेज दिया है, और जौहर अभी बाकी है।

### महिला दिवस पर करीना ने दी

# शुभकामनाए

**अभिनेत्री** करीना कपूर खान ने शनिवार को महिला दिवस के मौके पर सभी को शुभकामनाएं दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने 'सेल्फ लव' को महिलाओं के लिए अहम बताया।

करीना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह न्यूजपेपर प्रिंट शर्ट और स्कर्ट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को घुटनों तक के बूट्स, सनग्लास और ब्लैक हर्मीस बैग के साथ पूरा किया। राजस्थान के जयपुर में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स के 25वें सीजन में भाग लेने के लिए रवाना हुई करीना ने चार्टर्ड फ्लाइट में कैमरों के लिए खूब पोज दिए। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, महिला दिवस की शुभकामनाएं, सेल्फ लव और नमस्ते आईफा।इससे पहले करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली को उनके 24वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी थीं। करीना ने बताया कि वह इब्राहिम को फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं।

इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अभिनेत्री ने बर्थडे बॉय इब्राहिम अली की एक कैंडिड तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, बेस्ट बॉय को जन्मदिन की शुभकामनाएं। सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हूं। शेयर की गई तस्वीर में इब्राहिम अपने चेहरे पर हाथ रखे हुए पोज देते नजर आए। करीना इससे पहले भी इब्राहिम की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' के लिए समर्थन करती नजर आई थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में रेड हार्ट वाले इमोजी को भी जोड़ा। करीना ने पोस्ट में इब्राहिम अली के साथ खुशी कपूर, करण जौहर और निर्देशक शौना गौतम को भी टैग किया।

इब्राहिम अली खान के बारे में बता दें, वह सैफ अली खान और उनकी पूर्व पत्नी अमृता सिंह के बेटे हैं। सैफ को अमृता से दो बच्चे हैं, बेटे का नाम इब्राहिम तो वहीं बेटी का नाम सारा अली खान है, जो फिल्मी दुनिया में एक्टिव हैं। इब्राहिम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पूरी की। अपने अभिनय करियर को निखारने के लिए उन्होंने न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी में एडमिशन लिया।

# कावेरी कपूर को बहु-प्रतिभाशाली पर्सनालिटी के रूप में देखते हैं दर्शक

कावेरी कपूर ने अपनी पहली फ़िल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। हालांकि यह फ़िल्म कावेरी की पहली फ़िल्म थी, लेकिन यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने कैमरे का सामना किया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि कावेरी एक प्रतिभाशाली गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं, जिनके नाम चार म्यूजिक वीडियो दर्ज हैं। हाल ही में उन्होंने अपना पाँचवाँ गाना एक धागा तोड़ा मैंने रिलीज़ किया, जिसे उन्होंने महज 15 साल की उम्र में अंग्रेज़ी में लिखा था। उनकी इस प्रतिभा को पहचानते हुए ए.आर. रहमान, जिन्होंने इस ट्रैक को प्रोड्यूस किया, और उन्होंने ने कावेरी की खूब सराहना की। इतनी उपलब्धियों के साथ, कावेरी को रचनात्मकता, जुनून और प्रतिभा का प्रतीक मानना स्वाभाविक है। एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री के रूप में उनकी यात्रा मेहनत, लगन, धैर्य और समर्पण का प्रमाण है। जो कावेरी ने हमेशा व्यक्त किए हैं। कावेरी को प्रदर्शन कला के प्रति अपने प्यार को विरासत में मिला, क्योंकि वह बेहद लेजेंड्री माता-पिता, सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शेखर कपूर की बेटी हैं। और उनके संगीत वीडियो इस बात का सबूत हैं कि उन्हें अपने शानदार प्रतिभा माता-पिता से विरासत में मिला है। जीवन के शुरुआती दौर से ही गीत लेखन और गायन में महारत हासिल करने वाली कावेरी अब अभिनय के क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं। अभिनेत्री के पास अपने पिता की बहुप्रतीक्षित फिल्म मासूम 2 है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। शेखर कपूर और अपने अभिनेताओं से प्रभावशाली अभिनय निकलवाने की उनकी प्रतिभा को जानते हुए, हम इस फिल्म में कावेरी को अभिनय करते देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

साभार एजेंसी

### इंडियन वेल्स: 5 बार के चैंपियन

# जोकोविच पहले मैच में हारे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को रविवार (आईएसटी) को इंडियन वेल्स ओपन के पहले दौर में लकी लूजर बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वैन डे जैन्डसचुल्प ने जोकोविच को 6-2, 3-6, 6-1 से हराकर अपनी बढ़ती हुई दिग्गज किलिंग प्रतिष्ठा में इजाफा किया। वह इंडियन वेल्स में जोकोविच को हराने वाले लगातार दूसरे लकी लूजर बन गए। जोकोविच लगातार अपना तीसरा मैच हार गए, जो आखिरी बार 2018 में चोट से प्रभावित सीजन के हिस्से के रूप में हुआ था। उन्होंने 2025 में भी चोटों का सामना किया है, ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए ऑफिस का एक बुरा दिन था। मैं टेनिस के स्तर के लिए खेद व्यक्त करता हूं, क्योंकि मैं इन दिनों जिस तरह से अभ्यास करता हूं, वह बहुत ही खराब है। सेंटर कोर्ट और अन्य कोर्ट के बीच बहुत अंतर है। जोकोविच ने कहा, बॉल सेंटर कोर्ट पर कुछ सबसे ऊंचे क्ले कोर्ट से भी ऊंची उछल रही थी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में रिटायर होने, दोहा ओपनर में माटेओ बेरेटिनी से हारने और अब वैन डे जैन्डसचुल्प से हारने के बाद, यह दूसरी बार है जब जोकोविच 2008 सीजन (2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन-मियामी) की शुरुआत के बाद से लगातार तीन मैच हारे हैं। एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर सबसे ज्यादा खिताब (40), फाइनल (59) और सेमीफाइनल (78) का रिकॉर्ड रखने वाले सर्ब मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में नडाल की बराबरी करने से चूक गए, हालांकि रिकॉर्डधारी नडाल के पास पहले से ही सबसे ज्यादा मास्टर्स खिताब हैं। वैन डे जैन्डसचुल्प ने जोकोविच के एक असामान्य रूप से त्रुटिपूर्ण शुरुआती सेट का फायदा उठाया और निर्णायक गेम में कुछ बेहतरीन शॉट-मेकिंग कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो घंटे एक मिनट में जीत हासिल की। शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वी पर अपनी आठवीं जीत हासिल करके, वैन डे जैन्डसचुल्प ने 2025 में पहली बार एटीपी टूर पर लगातार दो जीत दर्ज की। हालांकि, वैन डे जैन्डसचुल्प की प्रतिष्ठा इतालवी से कहीं ज्यादा है। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले सीजन में कार्लोस अल्काराज और राफेल नडाल को हराया था और गुरुवार को निक किर्गियोस पर जीत हासिल की।

## ऑटिस गिब्सन केकेआर के सहायक कोच बने

**कोलकाता, एजेंसी।** वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज ऑटिस गिब्सन को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के लिए अपना सहायक कोच बनाया है। वह रयान टेन डेशकाटे की जगह लेंगे, जो अब भारत के सहायक कोच हैं। गत विजेता केकेआर ने हाल ही में अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया था। पिछले साल के उनके मेंटॉर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल भी भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जबकि खिताब जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी अब पंजाब किंग्स के साथ हैं।

इससे पहले केकेआर ने ड्वेन ब्रावो को अपना मेंटॉर बनाया था। टीम के मुख्य कोच अभी भी चंद्रकांत पंडित हैं, जबकि बी अरूण, चार्ल क्रो और नेथन लीमॉन कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य हैं। गिब्सन संन्यास लेने के बाद लगातार कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 2007 में वह इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के गेंदबाजी कोच थे। इसके बाद वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच बने। इसके बाद वह फिर से इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच बने और फिर इसी भूमिका में बांग्लादेश टीम के साथ गए। वह कई फ्रेंचाइजी लीग में भी कोचिंग कर चुके हैं।

## रोहित-कोहली ने बनाया कीर्तिमान

### आईसीसी टूर्नामेंट का सर्वाधिक फाइनल खेलने वाले खिलाड़ी बने

**दुबई (एजेंसी)।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में खेले जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में उतरने के साथ ही इतिहास रच दिया है।

| खिलाड़ी | मैच |
|---|---|
| विराट कोहली | 9 |
| रोहित शर्मा | 9 |
| युवराज सिंह | 8 |
| रवींद्र जडेजा | 8 |
| कुमार संगकारा | 7 |
| महेला जयवर्धने | 7 |

रोहित और कोहली भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं और इन दोनों ही बल्लेबाजों से टीम को काफी उम्मीद हैं। भारत इस मैच में 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने के इरादे से उतरा है।

#### जडेजा-युवराज को पीछे छोड़ा

रोहित और कोहली आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे ज्यादा फाइनल खेलने वाले खिलाड़ बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए भारतीय टीम में शामिल ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ा। कोहली और रोहित का यह नौवां आईसीसी टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला है। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर में वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के खिताबी मुकाबले खेले हैं।

रोहित और कोहली के अलावा युवराज और जडेजा ने अपने करियर में आठ-आठ आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल मैच खेले हैं। वहीं, श्रीलंका के कुमार संगाकारा और माहेला जयवर्धने ने सात-सात बार आईसीसी के खिताबी मैच में हिस्सा लिया है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित, कोहली और जडेजा 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का हिस्सा थे और 12 साल बाद भी यह तीनों खिताबी मैच में शामिल हैं। उस समय भारत ने इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

### संन्यास लें या न लें

# अगले ICC टूर्नामेंट में नहीं दिखेंगे भारत के ये 3 दिग्गज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रोहित शर्मा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, भारतीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन अटकलों को खारिज भी किया, लेकिन इन सभी सवालों के जवाब के लिए ज्यादा इंतजार करने की जरूरत नहीं है। एक बात तय है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा संन्यास लें या न लें भविष्य में तीनों शायद ही आईसीसी टूर्नामेंट में दिखें। कम से कम अगले आईसीसी टूर्नामेंट में तो तीनों नहीं दिखेंगे, जो 2026 में होना। ये खिलाड़ी उम्र के उस पड़ाव पर हैं कि वे शायद ही 2027 तक खेलें।

### क्या 31 महीने तक खेल जारी रख पाएंगे ये दिग्गज

2027 वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में होगा यानी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद 31 महीने का समय। रोहित शर्मा 30 अप्रैल को 38 साल के हो जाएंगे। 31 महीने बाद उनकी उनकी उम्र 40 साल से ज्यादा होगी। रविंद्र जडेजा 6 दिसंबर को 37 के हो जाएंगे। वह 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक 39 साल के हो जाएंगे। विराट कोहली 5 नवंबर को 37 के हो जाएंगे।

2027 वनडे वर्ल्ड कप तक उनकी उम्र भी 39 साल के आसपास होगी। इस उम्र तक खिलाड़ी संन्यास ले लेते हैं। एमएस धोनी 43 साल की उम्र में आईपीएल खेल रहे हैं, लेकिन उन्होंने भी अपना आखिरी वनडे जून 2019 में खेला था। रोहित, विराट और रविंद्र जडेजा तीनों के लिए सबसे बड़ा चैलेंज यह भी है कि अब ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला जाता और टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो जैसा ऑस्ट्रेलिया का दौरा रहा है और अगर इंग्लैंड दौरे पर वे खुद को साबित नहीं कर पाए तो शायद ही आगे खेलना जारी रख पाएं।

#### टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नहीं दिखेंगे दिग्गज

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद 1 साल के अंदर 1 आईसीसी फाइनल और 1 आईसीसी टूर्नामेंट होना है। जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 खेला जाएगा। भारतीय टीम घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ और फिर ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारकर लॉर्ड्स का टिकट बुक नहीं करा पाई। यही वजह है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। साल 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप होना है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा इसमें खेलते नहीं दिखेंगे। वजह साफ है तीनों टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं।

## मोहाली में 5 अप्रैल को IPL, टिकट की बुकिंग शुरू

- महाराजा यादविंद्र स्टेडियम मुल्लांपुर में होगा मैच
- पंजाब और राजस्थान के बीच पहला मुकाबला

**चंडीगढ़, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन में पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी अपने होम ग्राउंड महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर मोहाली में होने वाले मैचों के लिए टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग (रविवार) दोपहर 1 बजे से शुरू की है।

**महेंद्र धोनी और विराट कोहली होंगे मैदान मेंत्र** इस बार दर्शकों को पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली को पहली बार इस मैदान पर खेलते देखने का मौका मिलेगा। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकतर मैच धर्मशाला में होते थे, लेकिन इस बार धोनी और कोहली दोनों ही मुल्लांपुर स्टेडियम में पहली बार खेलते नजर आएंगे।

# ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत ने जीती बधिर टी20 त्रिकोणीय सीरीज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के कुलदीप सिंह ने फाइनल में पांच विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। भारत ने शनिवार को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर बधिर टी20 त्रिकोणीय सीरीज जीत ली।

इस टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने किया था जिसमें दक्षिण अफ्रीका भाग लेने वाली तीसरी टीम थी। भारत के कुलदीप सिंह ने फाइनल में पांच विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। भारत के ही अभिषेक सिंह को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया। टूर्नामेंट के लिए भारतीय बधिर क्रिकेट टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह ने किया। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, 'इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की ऊर्जा से पता चलता है कि विश्व में बधिर खिलाड़ियों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देना कितना जरूरी है। इस त्रिकोणीय सीरीज के प्रति दिलचस्पी से बधिर क्रिकेट का भविष्य उज्जवल नजर आता है।'

# कौन है कॉर्बिन बॉश जिसे आईपीएल 2025 से पहले मुंबई इंडियंस ने टीम के साथ जोड़ा

**मुंबई (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स घुटने की चोट के कारण आगामी आईपीएल से बाहर हो गए हैं जिससे गेंदबाजी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश मुंबई इंडियंस में उनकी जगह लेने के लिए तैयार हैं। बॉश (30 वर्ष) ने 86 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 59 विकेट लिए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 81 है। उन्होंने अभी तक आईपीएल में पदार्पण नहीं किया है। लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका 2020 में मुंबई इंडियंस केप टाउन के खिताब जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इस अभियान के दौरान 11 विकेट लिए।

एमआई ने एक बयान में कहा कि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स चोट के कारण आगामी टाटा आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं और मुंबई इंडियंस ने उनके स्थान पर उनके हमवतन कॉर्बिन बॉश को अनुबंधित किया है। पिछले साल पदार्पण करने के बाद एक

टेस्ट और दो वनडे में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले बॉश को चोटिल एनरिक नॉर्किया की जगह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए देश की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। वह पहले राजस्थान रॉयल्स में नेट गेंदबाज के रूप में टीम का हिस्सा थे।

कॉर्बिन बॉश पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज़ टर्टियस बॉश के पुत्र हैं, जिन्होंने 1992 में दक्षिण अफ्रीका के लिए एक टेस्ट मैच और दो एकदिवसीय मैच खेले थे। वह वास्तविक ऑलराउंडर के रूप में बहुमुखी प्रतिभा, बल्ले और गेंद से प्रभावशाली योगदान देने में सक्षम हैं। दक्षिण अफ्रीकी पिचों का अच्छा अनुभव है जो भारतीय परिस्थितियों में अच्छी तरह से काम आ सकती है। खासकर उछाल वाली पिचों पर। मुंबई इंडियंस, जो अपनी मजबूत तेज गेंदबाजी इकाई के लिए जानी जाती है, जिसमें जसप्रीत बुमराह जैसे सितारे शामिल हैं, संभवतः बॉश इसे और मजबूत कर सकते हैं।

### डब्ल्यूपीएल: 2025

#### लखनऊ के इकाना स्टेडियम में चौकों-छक्कों की बारिश

# यूपी वॉरियर्स ने आरसीबी को हराया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 18वें मैच में लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर शनिवार 8 मार्च (अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस) की रात चौके-छक्कों की बारिश हुई। टूर्नामेंट में क्वालिफिकेशन की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी यूपी वॉरियर्स ने डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी पूरा जोर लगाया, लेकिन वह 12 रन पीछे रह गई।

आरसीबी को चमत्कार की जरूरत थी। ऋचा घोष और स्नेह राणा ने अपनी अविश्वसनीय बल्लेबाजी से लगभग कर ही दिया था, लेकिन दीप्ति शर्मा की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने जीत का रास्ता खोज लिया। यूपी वॉरियर्स ने गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ ऐसी ही जीत चिन्नास्वामी में एक रोमांचक मुकाबले में हासिल की थी। आरसीबी के लिए यह हार इसलिए भी दुखद है क्योंकि वह क्वालिफिकेशन की रेस से बाहर हो गई। यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मैच में 18 छक्के

लगे, जो डब्ल्यूपीएल मैच में दूसरे सबसे ज्यादा हिट हैं। इससे पहले 2024 में बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच में 19 छक्के लगे थे। इस मैच में 71 चौके लगे, जो डब्ल्यूपीएल के किसी भी मैच में सबसे ज्यादा हैं।

**डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर**

इस तरह दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। यूपी वारियर्स ने जॉर्जिया वॉल (नाबाद 99 रन) के लगातार दूसरे अर्धशतक से डब्ल्यूपीएल में अपने अंतिम मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 12 रन से जीत हासिल कर सीजन का सम्मानजनक समापन किया। जॉर्जिया वॉल प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं। जॉर्जिया वॉल डब्ल्यूपीएल इतिहास में सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली खिलाड़ी भी बनीं। डिवाइन ने 2023 में आरसीबी के खिलाफ ही 99 रन की पारी खेली थी।

यूपी वारियर्स ने 5 विकेट पर 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है।

# सीरिया : हिंसा में मरने वालों की संख्या एक हजार से अधिक हुई

» बेरूत, भाषा।

सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के वफादारों और सुरक्षाबलों के बीच दो दिन तक जारी संघर्ष और इसके बाद प्रतिशोधी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,000 से अधिक हो गई है, जिनमें लगभग 750 आम नागरिक शामिल हैं। मानवाधिकार संगठन ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीरिया में 14 साल पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद से यह हिंसा की सबसे घातक घटनाओं में से एक है। ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि 745 नागरिकों के अलावा, सरकारी सुरक्षाबलों के 125 सदस्य और अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद से संबद्ध सशस्त्र समूहों के 148 चरमपंथी भी मारे गए। मानवाधिकार संगठन ने यह भी बताया कि तटीय शहर लताकिया के आसपास के बड़े इलाकों में बिजली और पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है तथा कई बेकरी बंद हो गई हैं।

सीरिया में तीन महीने पहले असद को अपदस्थ कर सत्ता पर विद्रोहियों के कब्जा करने के तीन महीने बाद बृहस्पतिवार को शुरू हुई यह झड़प दमिश्क की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। सरकार ने कहा कि वह असद के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बड़े पैमाने पर हुई इस हिंसा के लिए अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा की गई कार्रवाईयों को जिम्मेदार ठहराया। सीरिया में हालिया झड़पें तब शुरू हुईं, जब सुरक्षाबलों ने बृहस्पतिवार को तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की। इस दौरान असद के वफादारों ने उन पर घात लगाकर हमला कर

दिया। नई सरकार के प्रति वफादार सुन्नी मुस्लिम बंदूकधारियों ने शुक्रवार को असद के समर्थक अल्पसंख्यक अल्वियत समुदाय के लोगों की हत्याएं शुरू की थीं। लेकिन यह हयात तहरीर अल-शाम के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि इसी धड़े के नेतृत्व में विद्रोही समूहों ने असद के शासन का तख्तापलट कर दिया था। अल्वियत संप्रदाय के गांवों और कस्बों के निवासियों ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि बंदूकधारियों ने अल्वियत समुदाय के अधिकतर पुरुषों को सड़कों पर या उनके घरों के दरवाजे पर ही गोली मार दी। सीरिया के तटीय क्षेत्र के दो निवासियों ने एपी को बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में अल्वियत लोगों के कई घरों को लूट लिया गया और फिर उनमें आग लगा दी गई। हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित कस्बों में से एक बानियास के निवासियों ने कहा कि शव सडक़ों पर बिखरे पड़े थे या घरों और इमारतों की छतों पर पड़े थे और उन्हें उठाकर दफनाने के लिए कोई नहीं था। इस संबंध में एक व्यक्ति ने बताया कि बंदूकधारियों ने शुक्रवार को नजदीक से गोली मारकर कत्ल किए गए पांच लोगों के शवों को हटाने से निवासियों को घंटों तक रोके रखा। अपने परिवार को लेकर घर छोड़कर भागे 57 वर्षीय अली शेहा ने फोन पर बताया कि बानियास के एक मोहल्ले में कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी गई। उनके मुताबिक, कुछ की हत्या उनकी दुकानों में या उनके घरों में की गई। इस मोहल्ले में अल्वियत लोग रहते हैं। शेहा ने इन हमलों को असद सरकार द्वारा किए गए अपराधों के लिए अल्वियत अल्पसंख्यकों से प्रतिशोध लेने वाला बताया। अन्य निवासियों ने बताया कि बंदूकधारियों में विदेशी लड़ाके तथा पड़ोसी गांवों और कस्बों के उग्रवादी शामिल थे। शेहा ने कहा कि बंदूकधारी उनके घर से 100 मीटर से भी कम दूरी पर थे, घरों और लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बंदूकधारी निवासियों को मारने से पहले उनके धर्म और उनके संप्रदाय का पता लगाने के लिए उनके पहचान पत्र मांग रहे थे। ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख अब्दुल रहमान ने बताया कि प्रतिशोधी हिंसा शनिवार तड़के रुक गई। रहमान ने अल्वियत लोगों की हत्याओं को लेकर कहा, यह सीरियाई संघर्ष के दौरान सबसे बड़े नरसंहारों में से एक है। हालांकि, अब तक कोई आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के एक अनाम अधिकारी के हवाले से कहा कि सरकारी बलों ने असद के वफादारों के कब्जे वाले अधिकतर क्षेत्रों पर नियंत्रण वापस हासिल कर लिया है। इसने यह भी कहा कि अधिकारियों ने तटीय क्षेत्र की ओर जाने वाली सभी सडक़ों को बंद कर दिया है ताकि हमलों को रोका जा सके और धीरे-धीरे स्थिरता बहाल की जा सके।अल्वियत संप्रदाय से संबंधित लेबनान के सांसद हैदर नासेर ने कहा कि लोग सुरक्षा के लिए सीरिया से भागकर लेबनान आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास सटीक संख्या नहीं है। नासेर ने कहा कि सीरिया के हमीमिम स्थित रूसी वायुसैनिक अड्डे पर कई लोग शरण लिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अल्वियत लोगों की रक्षा करनी चाहिए, जो अपने देश के प्रति वफादार नागरिक हैं। फ्रांस ने सीरिया में हाल में हुई हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि पेरिस धर्म के आधार पर नागरिकों और कैदियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

## यूक्रेन की सेना और रूस के युद्ध ब्लॉगर्स का दावा

# रूस ने कुर्स्क में पीछे से यूक्रेनी सैनिकों पर हमले के लिए गैस पाइपलाइन का इस्तेमाल किया

» कीव, भाषा।

यूक्रेन की सेना और रूस के युद्ध ब्लॉगर्स ने दावा किया है कि रूसी विशेष बल कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी इकाइयों पर पीछे से हमला करने के लिए एक गैस पाइपलाइन के अंदर कई किलोमीटर पैदल चल कर गए। मॉस्को अपने सीमावर्ती प्रांत के कुछ हिस्सों को फिर से अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है, जिस पर कीव ने एक हमले में कब्जा कर लिया था।अगस्त में यूक्रेन ने कुर्स्क में सीमा के भीतर घुसकर एक दुस्साहसपूर्ण हमला किया था जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। कुछ ही दिन में, यूक्रेनी इकाइयों ने 1,000 वर्ग किलोमीटर (386 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था जिसमें रणनीतिक सीमावर्ती शहर सुदजा भी शामिल था। कीव के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य भविष्य की शांति वार्ता में मोलभाव करना और रूस को पूर्वी यूक्रेन में अपने आक्रामक अभियान से सैनिकों को हटाने के लिए मजबूर करना था।

लेकिन यूक्रेन के धमाकेदार अभियान के महीनों बाद, कुर्स्क में उसके सैनिक 50,000 से अधिक सैनिकों के लगातार हमलों से थके हुए हैं। हमला करने वालों में रूस के सहयोगी उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक भी शामिल थे। युद्ध क्षेत्र के मानचित्रों से पता चलता है कि हजारों यूक्रेनी सैनिकों को घेर लिए जाने का जोखिम है। यूक्रेन में जन्मे, क्रेमलिन समर्थक एक ब्लॉगर द्वारा डाली गई टेलीग्राम पोस्ट के अनुसार, रूस के बल पाइपलाइन के अंदर लगभग 15 किलोमीटर

(9 मील) तक चले, जिसका उपयोग मॉस्को हाल के दिनों तक यूरोप को गैस भेजने के लिए करता था। ब्लॉगर यूरी पोडोल्याका ने दावा किया कि कुछ रूसी सैनिकों ने सुदज़ा शहर के पास पीछे से यूक्रेनी इकाइयों पर हमला करने से पहले कई दिन पाइप में बिताए थे। यूक्रेन पर फरवरी 2022 के रूसी आक्रमण से पहले शहर में लगभग 5,000 निवासी थे और यहां पाइपलाइन के साथ प्रमुख गैस स्थानांतरण और मापन स्टेशन हैं। यह कभी यूक्रेनी क्षेत्र के माध्यम से रूसी प्राकृतिक गैस निर्यात के लिए एक प्रमुख केंद्र था। एक अन्य युद्ध ब्लॉगर ने कहा कि सुदजा के लिए भीषण लड़ाई चल रही है और रूसी सेना गैस पाइपलाइन के माध्यम से शहर में प्रवेश करने में सफल रही। एसोसिएटिड प्रेस इन ब्लागर्स के खातों की प्रामाणिकता का सत्यापन नहीं कर सकी और रूस के अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

## पाकिस्तान में प्रमुख धर्मगुरु की हत्या

**पेशावर।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान में प्रमुख धर्मगुरु मुफ्ती शाह मीर की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। डॉन अखबार की खबर में कहा गया कि मीर को शुक्रवार को केच के तुरबत शहर में तब निशाना बनाया गया जब वह रात की नमाज के बाद एक मस्जिद से बाहर निकल रहे थे।अखबार ने पुलिस के हवाले से कहा, मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद लोगों ने मुफ्ती शाह मीर पर गोलियां चलाईं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत तुरबत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मुफ्ती शाह मीर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-एफ (जेयूआई-एफ) के करीबी थे। इससे पहले उन पर दो बार जानलेवा हमले किए गए थे।

# पोप पर उपचार का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा

**रोम।** पोप फ्रांसिस रविवार को दोहरे निमोनिया के प्रकोप से उबरते हुए दिखे और उनके चिकित्सकों ने कुछ सकारात्मक खबरें दी हैं।पोप के चिकित्सकों ने कहा कि अस्पताल में तीन सप्ताह से अधिक समय बिताने के बाद उन पर उपचार का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है और हाल के दिनों में उनकी हालत में धीरे-धीरे, थोड़ा सुधार हुआ है। रविवार की सुबह ताजा सूचना में, वेटिकन ने कहा कि फ्रांसिस एक राहत भरी रात के बाद आराम कर रहे हैं। 88 वर्षीय पोप लगातार चौथे रविवार को अपने साप्ताहिक आशीर्वाद समारोह के लिए उपस्थित नहीं होंगे, हालांकि वेटिकन ने उस संदेश को प्रसारित करने की योजना बनाई है जो पोप स्वस्थ होने पर लोगों को देते। वेटिकन के एक बयान में शनिवार को चिकित्सकों के हवाले से कहा गया था कि पोप को फेफड़ों की पुरानी बीमारी है और युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें कई दिन से बुखार नहीं है और उनके रक्त में ऑक्सीजन का स्तर अच्छा है। डॉक्टरों ने कहा कि ऐसी स्थिरता उपचार के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया को बयां करती है। यह पहली बार है जब चिकित्सकों ने बताया कि फेफड़ों के जटिल संक्रमण के उपचार के बाद फ्रांसिस की सेहत में सुधार दिखाई दे रहा है। गत 14 फरवरी को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के बाद फेफड़ों संबंधी समस्या का पता चला था। पहले इस बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई जिसका अर्थ यह निकाला जा रहा है कि वह खतरे से बाहर नहीं हैं। पोप की अनुपस्थिति में, वेटिकन के दिन-प्रतिदिन के कार्य उसके पवित्र वर्ष की तैयारियों के साथ जारी हैं जिसमें प्रत्येक 25 वर्ष में लाखों तीर्थयात्री रोम आते हैं। पोप फ्रांसिस के करीबी कनाडाई कार्डिनल माइकल चेर्नी रविवार को स्वयंसेवकों के लिए पवित्र वर्ष का जश्न मना रहे हैं।

## व्हाइट हाउस के निकट खुफिया सेवा के कर्मियों ने हथियारबंद व्यक्ति को गोली मारी : अधिकारी

**वाशिंगटन।** अमेरिकी खुफिया सेवा के कर्मियों ने इंडियाना से आए एक हथियारबंद व्यक्ति को रविवार तड़के व्हाइट हाउस के पास गोली मार दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खुफिया सेवा के बयान के अनुसार, आधी रात के आसपास व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी में (हथियारबंद व्यक्ति के अलावा) कोई और घायल नहीं हुआ। गोलीबारी की घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा में थे। खुफिया सेवा को स्थानीय पुलिस से एक कथित आत्मघाती व्यक्ति के बारे में सूचना मिली, जो इंडियाना से यात्रा कर रहा था। बाद में खुफिया सेवा के कर्मियों ने व्हाइट हाउस के पास उस व्यक्ति की कार और उसके विवरण से मेल खाते एक व्यक्ति को पाया। खुफिया सेवा ने एक बयान में कहा, जैसे ही अधिकारी पास आए, व्यक्ति ने बंदूक तानी और मुठभेड़ शुरू हो गई। उस दौरान हमारे कर्मियों ने गोलियां चलाईं। बयान में कहा गया कि उस व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, घायल व्यक्ति की हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

# सिंध के पूर्व मुख्यमंत्री के जिंदा बेटे को मृत घोषित किया

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के सिंध सूबे के स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व मुख्यमंत्री सैयद कईम अली शाह के बेटे डॉ. सैयद लियाकत अली शाह को मृत घोषित कर दिया, जबकि वह जीवित हैं और वर्तमान में एक सरकारी नेत्र रोग अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी एक टेलीविजन चैनल ने अपनी खबर में दी। समा टीवी की खबर के मुताबिक यह खुलासा एक कर्मचारी भर्ती मामले से संबंधित अदालत में जमा दस्तावेजों के दौरान हुआ। स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य महानिदेशक और अतिरिक्त स्वास्थ्य सचिव द्वारा अदालत में पेश रिपोर्ट में कहा गया था कि भर्ती आदेश जारी करने वाले डॉ. लियाकत अली शाह का निधन हो गया है।

खबर के मुताबिक अदालत को गुमराह करने के लिए मृत्यु प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया गया जबकि डॉ. लियाकत अली शाह पिछले दो वर्षों से नेत्र अस्पताल में चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति के बाद एक चिकित्सा महाविद्यालय में अनुबंध प्रोफेसर के रूप में काम किया था। डॉ. लियाकत इससे पहले जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) के रूप में कार्य कर चुके हैं और एक दशक पहले 400 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के लिए जिम्मेदार थे। इनमें से 161 कर्मचारियों को फिलहाल वेतन मिल रहा है जबकि बाकी मामले अभी अदालत में लंबित हैं। खबर के मुताबिक जब डॉ. लियाकत से उनकी प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया तो उन्होंने उनकी कथित मृत्यु से संबंधित दावों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। डॉ. लियाकत ने कहा कि उन्हें स्वास्थ्य सचिव से कोई आधिकारिक पत्र प्राप्त नहीं हुआ है और पत्र प्राप्त होने के बाद ही वह लिखित जवाब देंगे।

**न्यूज ब्रीफ**

## पूर्व नेपाल नरेश के स्वागत में राजशाही समर्थकों के काठमांडू हवाई अड्डे पर जुटने के बाद सुरक्षा कड़ी की गई

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल की राजधानी काठमांडू के बाहरी इलाके में स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में राजशाही समर्थकों के एकत्र होने के बाद वहां (हवाई अड्डे) और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ज्ञानेंद्र देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों का दौरा करने के बाद पोखरा से काठमांडू लौट रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हवाई अड्डे के मुख्य प्रवेश द्वार और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र के सैकड़ों समर्थक और राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कार्यकर्ता नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज एवं पूर्व नरेश के समर्थन में तख्तियां लेकर काठमांडू हवाई अड्डे के आसपास इकट्ठा हो गए हैं।

नरेश के समर्थक पिछले कुछ दिनों से काठमांडू और पोखरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रैली निकाल रहे हैं और मौजूदा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं तथा जन आंदोलन के बाद 2008 में समाप्त की गई राजशाही व्यवस्था को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं। नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बी पी कोइराला की पोती एवं बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने सोशल मीडिया खाते पर सभी नेपालियों से काठमांडू हवाई अड्डे पर पूर्व नेपाल नरेश का भव्य तरीके से स्वागत करने के लिए इकट्ठा होने का अनुरोध किया। फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए हैं। उस समय पूर्व नरेश ने एक संदेश में कहा था, समय आ गया है कि हम देश की रक्षा करने और राष्ट्रीय एकता लाने की जिम्मेदारी लें।

# स्वास्थ्य : ब्रिटेन और अमेरिका में टीबी के बढ़ते मामले क्यों है सभी के लिए चिंता का विषय

» वाशिंगटन, भाषा।

पिछले वर्ष के दौरान टीबी के 67 मामले सामने आए। कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से अमेरिका में टीबी की बढ़ती दर के बाद इतनी संख्या में यह मामले सामने आए। विक्टोरियन युग को छोड़कर, टीबी दुनिया की सबसे स्थाई महामारी है, जिस कारण हर वर्ष किसी भी अन्य संक्रमण की तुलना में अधिक लोगों की मौत होती है। कम आय वाले देशों, वंचित समुदायों, शहरों, जेलों, बेघर आबादी, अश्वेत, एशियाई और आदिवासी लोगों में टीबी के मामले आमतौर पर सामने आते हैं, इसके बावजूद अमेरिका और ब्रिटेन जैसे अमीर देश भी इससे अछूते नहीं हैं। अमीर देशों में टीबी का प्रकोप कोयले की खान में हीरे की तरह होता है, जो राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में मौजूद दरार को दर्शाता है।

व्यापक रूप से किसी भी क्षेत्र में टीबी का प्रकोप वैश्विक स्तर पर टीबी को खत्म करने के जारी संघर्ष को धीमा करता है। टीबी हवा के जरिए फैलने वाला संक्रमण है। जलवायु परिवर्तन और युद्ध के कारण यह कहावत कहीं भी टीबी, हर जगह टीबी आज भी प्रासंगिक हो रही है। ब्रिटेन में 2011 और 2020 के बीच टीबी की दर में लगातार गिरावट आई लेकिन अमेरिका की ही तरह 2020 की शुरुआत में कोविड-19 वैश्विक महामारी के फैलने के बाद से बढ़ना शुरू हो गई। इंग्लैंड में वर्ष 2023 में टीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 2022 की तुलना में 13 प्रतिशत बढ़ गई। प्रति वर्ष एक लाख लोगों में 9.5 लोगों के टीबी का शिकार होने की दर इंग्लैंड के लिए चिंता का विषय है क्योंकि यह कम टीबी दर यानि प्रति वर्ष एक लाख लोगों में 10 लोगों के टीबी का शिकार होने की दर से नीचे चली गई है, जो खतरे की घंटी है। ब्रिटेन में जीवन यापन को लेकर संकट बरकरार है। बहुत से लोग, विशेष रूप से सबसे गरीब लोग भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। टीबी, गरीब देशों में होने वाली एक बीमारी है, जो भीड़भाड़, कुपोषण और रहने के लिए खराब हालात जैसी जगहों पर पनपती है। लेकिन ब्रिटेन में टीबी के मामलों में वृद्धि को केवल बीमारी के बढ़ते जोखिम के कारण नहीं माना जा सकता। टीबी की रोकथाम और उपचार के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल प्रणाली भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान में टीबी का एकमात्र टीका बीसीजी वैक्सीन बीमारी की रोकथाम में उतनी प्रभावी नहीं है जितनी हम उम्मीद करते हैं। कई टीकों के बनने की वजह से आशा की किरण दिखाई देती है लेकिन गलत जानकारी जुटाकर बनाए गए टीके उनके प्रभाव को बाधित कर सकते हैं। टीबी के प्रकोप को रोकने में आ रही अन्य बाधाओं में टीबी को लेकर जागरूकता की कमी, टीबी से संबंधित गलत जानकारी का प्रसार जारी रहना, टीबी रोगियों की देखभाल में शामिल नर्सिंग कर्मियों की संख्या में कमी और टीबी के प्रति संवेदनशील लोगों की सहायता के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल क्षेत्रों के बीच खाई शामिल है। इंग्लैंड में टीबी से पीड़ित पांच में से चार लोग ब्रिटेन से बाहर पैदा हुए थे। प्रवासी लोगों द्वारा वीजा आवेदन प्रक्रिया के भाग के रूप में प्रवेश देने से पहले जांच करना टीबी से पीड़ित लोगों की पहचान करने में प्रभावी है। हालांकि रोकथाम इलाज से बेहतर है और टीबी संक्रमण या बिना लक्षण वाले टीबी रोगियों की जांच में अब भी अंतर है। निवारक टीबी उपचार प्रदान करने से भविष्य में टीबी रोग का जोखिम 85 प्रतिशत तक कम हो सकता है लेकिन ब्रिटेन में कम संसाधन वाला जांच कार्यक्रम है क्योंकि 2023 में केवल 11.5 प्रतिशत पात्र प्रवासियों की टीबी संक्रमण की जांच की गई है। टीबी का शीघ्र निदान और उपचार दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं या यहां तक कि मौत से बचाव में महत्वपूर्ण है। अगर कोई व्यक्ति शुरू में ही प्रभावी उपचार शुरू करता है, उसे उतनी ही जल्दी संक्रमण से उबरने और टीबी के प्रसार को कम करने में मदद मिलती है।निदान और देखभाल तक पहुंच में सुधार से टीबी का संक्रमण कम होगा। ब्रिटेन में टीबी से पीड़ित लगभग एक तिहाई लोग लक्षण (आमतौर पर खांसी, बुखार, रात में पसीना आना और वजन कम होना) दिखाई देने और पहली बार दवा लेने के बीच चार महीने की देरी करते हैं। यह चलन पेरू, नेपाल और मोजाम्बिक सहित, जहां टीबी के ज्यादातर मामले हैं तथा मध्यम आय वाले देशों में अधिक है। टीबी की रोकथाम और देखभाल प्रभावी ढंग से संभव है। हालांकि निदान और उपचार में हाल ही में हुई प्रगति के बावजूद वर्तमान उपाय अपूर्ण हैं।

## कोलंबिया में अपहृत 29 कानून प्रवर्तन अधिकारी रिहा कराए गए

» बोगोटा, भाषा।

कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने शनिवार को बताया कि देश के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र से हाल ही में अगवा किए गए 29 कानून प्रवर्तन अधिकारियों को मुक्त करा लिया गया है। एल प्लेटेडो क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक हमले के दौरान 28 पुलिस अधिकारियों और एक सैनिक का अपहरण कर लिया गया था। सांचेज ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने तथा 29 अधिकारियों की रिहाई में मदद के लिए स्थानीय समुदाय का आभार व्यक्त किया।

माना जा रहा है कि इस हमले में सशस्त्र समूह कार्लोस पैटिनो के सदस्यों का हाथ है। ए लोग कोलंबिया के पूर्व रेवल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेज के बागी हैं, जिन्होंने सरकार के साथ 2016 के शांति समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, न्याय होगा। सांचेज ने पूर्व में डब्ल्यू रेडियो से कहा था कि अगवा किए गए लोगों की सेहत ठीक है, उन्हें खाना दिया जा रहा है और वे सीमित स्थान में घूम-फिर सकते हैं।

**आक्रोश** महिलाओं पर हमलों, बलात्कार की घटनाओं के खिलाफ प्रदर्शन

# बांग्लादेश ने जांच में तेजी लाने का वादा किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने रविवार को वादा किया कि महिलाओं के साथ बलात्कार और उनके खिलाफ हमलों की घटनाओं की जांच में तेजी लाई जाएगी। ऐसी घटनाओं में वृद्धि के कारण देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा कि सरकार ने एक कानून लागू करने की योजना बनाई है जिसके तहत बलात्कार के मामलों की जांच 15 दिनों के भीतर तथा सुनवाई 90 दिन में पूरी करनी होगी। उन्होंने कहा, 90 दिन में मुकदमा पूरा न होने के नाम पर आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती।

अगर प्रशासन की ओर से कोई लापरवाही बरती गई तो कानून में सजा के लिए विशेष प्रावधान जोड़े जाएंगे। सरकार ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है तब तीन दिन पहले पश्चिमी मगुरा में

आठ वर्षीय बच्ची पर उसकी बहन के ससुर द्वारा कथित रूप से बर्बरता से हमला किए जाने और उससे बलात्कार किए जाने की घटना सामने आई थी। इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसके बाद प्राधिकारियों को यह घोषणा करनी पड़ी। बांग्लादेश में हाल में सडक़ों पर महिलाओं के साथ बलात्कार और उन पर हमले की कई घटनाएं हुई हैं। रमजान से पहले राजधानी में सार्वजनिक रूप से धूम्रपान करने के कारण दो महिलाओं को पीटा गया। इस घटना का सोशल मीडिया के जरिए व्यापक पैमाने पर विरोध हुआ। गृह मामलों के सलाहकार सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी ने कहा, मैंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बच्चों और महिलाओं के साथ बलात्कार सहित सभी प्रकार की हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अब तक हुई हिंसा की ऐसी घटनाओं को सूचीबद्ध करने के आदेश जारी किए गए हैं। मौजूदा कानून के अनुसार, बलात्कार के मामलों की जांच 30 दिन में और सुनवाई 180 दिन में पूरी हो जानी चाहिए। कानून में प्रावधान है कि बलात्कारियों को अधिकतम सजा के रूप में मौत की सजा दी जा सकती है। नजरुल ने कहा कि अंतरिम सरकार हर जिले में डीएनए फोरेंसिक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए कदम उठाएगी ताकि डीएनए प्रमाणपत्र समय से न मिल पाने के कारण बलात्कार के मामलों की सुनवाई में देरी न हो। देश में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीडऩ की हालिया घटनाओं के खिलाफ रविवार को आम नागरिकों, छात्रों और महिलाओं ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किए।

# मानवाधिकार आलोचना के बाद पनामा ने अमेरिका से निर्वासित किए गए अनेक प्रवासियों को रिहा किया

» पनामा सिटी, भाषा।

कई हफ्तों तक चले मुकदमों और मानवाधिकार आलोचना के बाद पनामा ने अमेरिका से निर्वासित किए गए अनेक प्रवासियों को शनिवार को रिहा कर दिया जिन्हें एक दूरदराज के शिविर में रखा गया था। इसने कहा कि इन लोगों के पास यह देश छोडऩे के लिए 30 दिन का समय है। निर्वासन में तेजी लाने के प्रयास के तहत अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पनामा तथा कोस्टा रिका के साथ एक समझौता किया था। इसी समझौते के तहत अमेरिका से अवैध प्रवासियों को इन देशों में निर्वासित किया गया जिनमें अधिकतर एशियाई देशों से हैं। इस समझौते ने मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को उस वक्त और बढ़ा दिया है जब पनामा सिटी के एक होटल में हिरासत में रखे गए सैकड़ों निर्वासितों ने मदद की गुहार लगाते हुए अपनी खिड़कियों पर पत्र लटकाए और कहा कि वे अपने ही देश लौटने से डरे हुए हैं।

शरणार्थी संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, लोगों को उत्पीड़न से बचने के वास्ते शरण लेने के लिए आवेदन करने का अधिकार है। लेकिन, अपने देश लौटने से इनकार करने वालों को कोलंबिया से सटी पनामा की सीमा के

पास एक दूरस्थ शिविर में भेज दिया गया था जहां उन्हें कई सप्ताहों तक बदतर हालत में रखा गया, उनके फोन छीन लिए गए जिससे वे कानूनी सहायता लेने में असमर्थ हो गए और उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि उन्हें आगे कहां ले जाया जाएगा। वकीलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा है कि पनामा और कोस्टा रिका निर्वासितों के लिए ब्लैक होल बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों को लेकर लगातार बढ़ती आलोचना के बीच अपना पल्ला झाडऩे के लिए पनामा के अधिकारियों ने निर्वासितों को रिहा कर दिया है जिससे वे अधर में लटक गए हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,